BORDER NEWS MIRROR
BNM
to the point...
राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

जिले के दो मुखिया स्वास्थ्य मंत्री से... 3 | www. bordernewsmirror.com | फिल्म स्त्री 2 का पहला... 8

धर्म परिवर्तन सर्टिफिकेट में नाम बदलना होगा जरूरी

● केरल हाईकोर्ट बोला-व्यक्ति को एक धर्म से नहीं बांध सकते, यह संवैधानिक गारंटी है

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। केरल हाईकोर्ट ने गुरुवार को धर्म परिवर्तन से जुड़े एक मामले में सुनवाई की। इसमें कहा- एजुकेशन सर्टिफिकेट में जाति या धर्म परिवर्तन की मांग को इसलिए नहीं ठुकराया जाना चाहिए क्योंकि इसके लिए कोई कानूनी प्रावधान नहीं है। जस्टिस वीजी अरुण ने कहा कि धर्म परिवर्तन के बाद संस्थानों को सर्टिफिकेट में आवश्यक सुधार करने होंगे। उन्होंने कहा भले ही स्कूल सर्टिफिकेट में धर्म परिवर्तन के आधार पर नाम बदलने का कोई नियम नहीं है। इसका मतलब ये नहीं है कि किसी व्यक्ति को उसके जन्म के आधार पर किसी एक धर्म से बांध दिया जाए। हाईकोर्ट ने कहा कि संविधान के आर्टिकल 25 (1) के तहत किसी भी व्यक्ति को अपनी पसंद का कोई भी धर्म अपनाने की गारंटी दी गई है। अगर कोई व्यक्ति इस आजादी का प्रयोग करके किसी अन्य धर्म को अपनाता है तो उसके दस्तावेजों में सुधार करना जरूरी है।

कांग्रेस का मोहरा बन चुके हैं अखिलेश, 2027 भी जीतेगी बीजेपी

● यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य का सपा नेता पर सख्त पलटवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के बाद से उत्तर प्रदेश की राजनीति से जुड़ी अलग-अलग खबरें सामने आ रही हैं। उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और अखिलेश यादव के बीच बयानों के ज़रिए खींचतान जारी है। अखिलेश यादव ने सुबह एक बयान देते हुए केशव प्रसाद मौर्य को मोहरा कहा था। पलटवार करते हुए केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि 'अखिलेश यादव खुद कांग्रेस का मोहरा हैं,वह अपनी पार्टी को संभालने पर ध्यान दें, बीजेपी 2017 की तरह 2027 भी जीतेगी।' उत्तर प्रदेश बीजेपी में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। पिछले दिनों केशव प्रसाद मौर्य और सीएम योगी के बीच तल्खी की अटकलें लगाई जाने लगी थीं। तब केशव प्रसाद मौर्य ने कहा था कि संगठन से बड़ा कुछ नहीं होता है। ऐसा माना गया कि उनका यह बयान सीएम योगी पर निशाना था। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बीजेपी के अंदरखाने चल रहे मामले पर लागतार बयान देना शुरू किया और ताजा बयान 'केशव पर है।

'हम हिंदू नहीं हैं' कहने वाली आदिवासी महिला टीचर सस्पेंड

● विवाद बढ़ने के बाद मेनका डामोर पर सख्त हुई राजस्थान सरकार

जयपुर/डूंगरपुर (एजेंसी)। राजस्थान में आदिवासी हिंदू है या नहीं, इस मुद्दे को लेकर सियासत लगातार गर्म है। इस बीच बीते दिनों मानगढ़ में आयोजित आदिवासियों की महारैली में एक महिला टीचर ने विवादित बयान दिया। इसके बाद उसे शिक्षा विभाग ने सस्पेंड कर दिया है। इसमें महिला टीचर मेनका डामोर ने रैली में आदिवासी परिवार की महिलाओं को कहा कि हम हिंदू नहीं है, हम सिंदूर नहीं लगाते है, मंगलसूत्र नहीं पहनते हैं। इसको लेकर आदिवासी समाज की महिलाओं ने आपत्ति जताई। इसके बाद शिक्षा विभाग ने बड़ा एक्शन लेते हुए महिला टीचर को सस्पेंड कर दिया है। महिला टीचर पर राजस्थान आचरण नियम और शिक्षा विभाग की छवि को खराब करने का आरोप लगा है। राजस्थान में आदिवासियों के हिंदू हैं या नहीं मुद्दे को लेकर लगातार बहस छिड़ी हुई। इसको लेकर बीते दिनों विधानसभा में भी काफी बवाल हुआ। बीते दिनों 19 जुलाई को महिला टीचर मेनका डामोर ने रैली में आदिवासी महिलाओं को विवादित बयान दिया।

अब कलाम के जरिए पसमांदा मुस्लिमों को साधने की कोशिश

● पूर्व राष्ट्रपति की आज पुण्यतिथि मनाएगी बीजेपी, देशभर में कार्यक्रम

नई दिल्ली (एजेंसी)। कल 27 जुलाई को पूर्व राष्ट्रपति और अंतरिक्ष वैज्ञानिक एपीजे अब्दुल कलाम की नौवीं पुण्यतिथि है। इस अवसर पर बीजेपी बड़े स्तर पर कार्यक्रम आयोजित करने की तैयारी में है। पार्टी का अल्पसंख्यक मोर्चा 27 जुलाई को कलाम की नौवीं पुण्यतिथि के अवसर पर देशभर में कैंपेन शुरू करेगा। भाजपा के अल्पसंख्यक मोर्चा के जमाल सिद्दीकी ने कहा है कि इस कैंपेन में जिला स्तर पर विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से पसमांदा मुस्लिमों के आदर्श कलाम को श्रद्धांजलि दी जाएगी। कल 27 जुलाई को कलाम स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी। इस मौके पर बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में शामिल होने की संभावना है। इसी तरह के कार्यक्रम पूरे देश में जिला स्तर पर आयोजित किए जाएंगे, जहां कलाम की प्रतिमाओं और तस्वीरों पर पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी।

कांवड़ रूट पर नाम लिखने वाली रोक रहेगी जारी

● यूपी सरकार की दलील सुप्रीम कोर्ट ने कर दी खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली बॉर्डर से हरिद्वार तक कांवड़ यात्रा के रूट पर रेस्तरां, ढाबों को मालिक का नाम लिखने के आदेश पर लगी सुप्रीम कोर्ट की रोक जारी रहेगी। अदालत ने शुक्रवार को सुनवाई के दौरान अंतरिम रोक बने रहने का आदेश दिया। यह आदेश उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के लिए जारी किया गया है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई जिले कांवड़ रूट पर आते हैं। यहां आदेश दिया जारी किया गया था कि रूट पर पड़ने वाले ढाबे, रेस्तरां और अन्य खाने पीने की दुकानों के मालिक अपना नाम एक बोर्ड पर जरूर लिखें। इसे सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया था और अब उस रोक को जारी रखा है। यह आदेश 5 अगस्त तक जारी रहेगा और उसी दिन अगली सुनवाई होनी है। वहीं

शुक्रवार की सुनवाई से पहले यूपी सरकार ने नाम लिखे जाने के आदेश को सही ठहराते हुए एफिडेविट दिया था कि ऐसा इसलिए किया गया ताकि शांति बनी रहे। यूपी सरकार ने कहा कि हम लोगों की आस्था का सम्मान करना चाहते हैं। इसलिए यह आदेश दिया गया। इसके अलावा कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए भी ऐसा हुआ था। योगी सरकार की इस दलील को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया। इसके अलावा अदालत ने कांवड़ यात्रा के रूट पर नाम लिखे जाने वाले आदेश के समर्थन में दाखिल अर्जी को भी खारिज कर दिया। कोर्ट ने इस पर सुनवाई से ही इनकार कर दिया। इस अर्जी में कहा गया था कि यह आदेश सही है और धार्मिक मान्यता के अधिकार और स्वतंत्रता को बनाए रखने वाला है। यूपी सरकार की ओर से पेश सीनियर वकील मुकुल रोहतगी ने यूपी सरकार का पक्ष रखा।

तुगलक रोड नहीं, अब दूसरी जगह शिफ्ट होंगे राहुल !

जल्द बदलने वाला है पता, बहन प्रियंका ने जाकर देखा नया बंगला

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद व लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के घर का पता बदलने वाला है। इस बात की चर्चा जोरों पर है कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी को लुटियंस दिल्ली में ही नया बंगला दिया जाएगा। आज यानी शुक्रवार को राहुल गांधी की बहन प्रियंका गांधी ने खुद जाकर नया बंगला देखा। बता दें कि इससे पहले राहुल गांधी का निवास स्थान 12, तुगलक लेन, नई दिल्ली था। अब खबरें हैं कि राहुल गांधी को सुनहरी बाग में बंगला नंबर 5 आवंटित किया गया है। पिछले साल मानहानि के एक मुकदमे में लोकसभा सांसदी से अयोग्य ठहराए जाने के बाद राहुल गांधी को 12 तुगलक लेन स्थित बंगला खाली करना पड़ा था। अगस्त में, सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश के बाद जब उनकी संसद सदस्यता बहाल की गई थी तब उनको वापस वही बंगला आवंटित किया गया। हालांकि राहुल ने सरकारी आवास नहीं लिया था। राहुल गांधी 19 साल तुगलक लेन में रहे। शुक्रवार को कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा नई दिल्ली के सुनहरी बाग स्थित बंगला नंबर 5 को देखने पहुंची थीं। खबरों के मुताबिक केंद्र सरकार ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को यही घर ऑफर किया है। बंगले के आवंटन की आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है।

सुल्तानपुर में राहुल गांधी ने की चप्पल की सिलाई

मोची की दुकान पर पहुंचे, पूछा-जूता कैसे बनाते हो

सुल्तानपुर/लखनऊ (एजेंसी)। गृहमंत्री अमित शाह की मानहानि केस में राहुल गांधी शुक्रवार को सुल्तानपुर की कोर्ट में पेश हुए। यहां उन्होंने बयान दर्ज कराए। जज से कहा– मैं निर्दोष हूं। मेरे खिलाफ राजनीतिक साजिश हुई है। मैं सारे आरोपों से इनकार करता हूं। मेरी और मेरी पार्टी की छवि को धूमिल करने के लिए आरोप लगाए गए हैं। लखनऊ लौटते समय राहुल ने सुल्तानपुर में अचानक मोची की दुकान पर अपना काफिला रुकवा लिया। गाड़ी से उतरकर मोची चैतराम की दुकान पर गए। चप्पल की सिलाई की और उनसे पूछा कि जूते कैसे बनाते हो। करीब 5 मिनट तक चैतराम से बातचीत के बाद राहुल वहां से निकल गए। इससे पहले, राहुल 16 मिनट तक कोर्ट रूम में रहे। 12 अगस्त को इस मामले में अगली सुनवाई होगी। राहुल पर आरोप है कि 2018 में कर्नाटक विधानसभा चुनाव के दौरान उन्होंने कहा था– अमित शाह हत्या के आरोपी हैं। इस बयान के खिलाफ सुल्तानपुर में भाजपा नेता विजय मिश्रा ने 2018 में मानहानि का केस दर्ज कराया था। इसी मामले में सुनवाई हुई। चैत राम मोची ने बताया कि राहुल गांधी ने कोई सामान नहीं खरीदा। अपने लिए कुछ नहीं बनवाया। जो जूते बना रहा था, उसे छूकर देखा। पूछा– कैसे बनाते हो। उन्होंने एक चप्पल की सिलाई की। चैत के बेटे राघव ने बताया कि राहुल गांधी से मिलकर अच्छा लगा।

चीन सीमा के पास ही भारतीय सेना करेगी युद्धाभ्यास

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय सेना की एक टुकड़ी गुरुवार को बहुदेशीय सैन्य अभ्यास के लिए मंगोलिया रवाना हुई। यह सैन्य अभ्यास 27 जुलाई से 9 अगस्त के दौरान उलानबातर में होगा, जिसमें भारत और मंगोलिया समेत कई देशों की सेनाएं शामिल होंगी। यह सैन्य अभ्यास चीन की सीमा से करीब 1000 किलोमीटर की ही दूरी पर है, जिस पर उसकी भी निगाहें होंगी। इस अभ्यास में हिस्सा लेने के लिए 40 भारतीय सैनिकों की एक टुकड़ी रवाना हुई है। इस सैन्य अभ्यास को नया नाम दिया गया है। बीते साल भी जुलाई के दौरान मंगोलिया में यह अभ्यास हुआ था। इस सैन्य अभ्यास में कई देशों की सेनाएं शामिल होंगी।

पहले भिंडरावाले को खड़ा किया अब अमृतपाल सिंह का समर्थन

लोकसभा में कांग्रेस सांसद चन्नी के बयान पर भड़की भाजपा

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब के कांग्रेस सांसद चरणजीत सिंह चन्नी ने अमृतपाल सिंह को लेकर गुरुवार को लोकसभा में कुछ ऐसा कह दिया कि इससे राजनीतिक बखेड़ा खड़ा हो गया है। चन्नी ने दावा किया कि भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने विवादास्पद खडूर साहिब के सांसद अमृतपाल सिंह की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाया है। इस टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा सांसद रवनीत सिंह बिट्टू ने कहा कि चन्नी देशद्रोही की तरह व्यवहार कर रहे हैं। बिट्टू की लोकसभा में पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री के साथ तीखी नोकझोंक हुई। बिट्टू ने कहा,एक पूर्व सीएम देशद्रोही की तरह व्यवहार कर रहे हैं और सदन के माध्यम से पूरे देश को गुमराह कर रहे हैं। चन्नी ने कहा कि किसानों पर एनएसए लगाया गया है लेकिन यह किस पर लगाया गया है - यह उन पर लगाया गया है जो देश और पंजाब को तोड़ना चाहते थे। चन्नी का ये कहना कि किसानों के खिलाफ एनएसए लगाया गया है और यह गलत है। एक पूर्व सीएम ने देश और पंजाब को तोड़ने की बात कही है। कांग्रेस और राहुल गांधी उनके सामने बैठे थे और उनसे यह कहलवा रहे थे।

एमपी बीजेपी के वरिष्ठ नेता प्रभात झा का निधन

● गुरुग्राम के अस्पताल में ली अंतिम सांस, पत्नी से इच्छा जताई थी- अंत्येष्टि जन्मस्थली पर हो

भोपाल। बीजेपी के सीनियर लीडर और पूर्व मध्यप्रदेश अध्यक्ष प्रभात झा का निधन हो गया है। गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में आज सुबह 5 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। 67 वर्षीय झा लंबे समय से बीमार चल रहे थे। उनके बेटे अयत्न ने कहा कि अंतिम संस्कार शनिवार दोपहर 3 बजे बिहार के सीतामढ़ी जिले के कोरियाही गांव में होगा। प्रभात झा को करीब 26 दिन पहले भोपाल के एक निजी अस्पताल से एयरलिफ्ट कर गुरुग्राम ले जाया गया था। प्रभात झा मूल रूप से बिहार के रहने वाले थे। उनका जन्म 4 जून 1957 को बिहार के दरभंगा के हरिहरपुर गांव में हुआ था।

तीन महीने में ही राज ठाकरे ने एनडीए से की दोस्ती खत्म

शिंदे सरकार से भी रूठे, अकेले चुनाव लड़ने का कर दिया ऐलान

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में जैसे-जैसे विधान सभा चुनाव नजदीक आ रहा है, वैसे-वैसे सियासी दोस्ती और दुश्मनी की तस्वीर साफ होती दिख रही है। लोकसभा चुनावों में बीजेपी के अगुवाई वाले एनडीए गठबंधन का बिना शर्त समर्थन साथ देने वाले महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे अब अकेले चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया है। महायुति गठबंधन से उनकी दोस्ती अब खत्म हो चली है। कुछ दिनों पहले ही उनकी पार्टी ने बीजेपी से महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में 20 सीटें देने की मांग की थी लेकिन बीजेपी की तरफ से इस पर कोई सकारात्मक जवाब नहीं मिल सका। ऐसी चर्चा है कि अब राज ठाकरे की पार्टी अब राज्य की 225 विधान सभा सीटों पर उम्मीदवार उतार सकती है। राज्य में कुल 288 विधानसभा सीटें हैं और अक्टूबर में चुनाव होने की संभावना है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना नेता प्रकाश महाजन ने कहा कि उनकी पार्टी राज्य विधानसभा चुनाव में 200 से 225 सीटों पर उम्मीदवार उतारेगी।

पेरिस ओलंपिक उद्घाटन से पहले फ्रांस में बवाल

हाई स्पीड ट्रेनों में तोड़फोड़ और आगजनी, 8 लाख लोग प्रभावित

पेरिस (एजेंसी)। फ्रांस की राजधानी पेरिस में 2024 के ओलम्पिक खेलों की शुरुआत से पहले वहां की हाई स्पीड रेल नेटवर्क में बड़े पैमाने पर तोड़फोड़ और आगजनी की खबरें हैं। इससे वहां की रेल सेवा पर बुरा असर पड़ा है। इससे 8 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। फ्रांसीसी रेल कंपनी ने एक बयान में कहा है कि कई रेल लाइनों को निशाना बनाकर किए गए 'दुर्भावनापूर्ण हमलों' की वजहों से ओलंपिक से पहले पेरिस में ट्रेन परिचालन बुरी तरह बाधित हुआ है। सरकारी स्वामित्व वाली रेलवे ऑपरेटर, कंपनी ने कहा है कि आगजनी और तोड़फोड़ करने वालों ने पेरिस को देश के पश्चिम, उत्तर और पूर्व से जोड़ने वाली रेल लाइनों को निशाना बनाया है। ये हमले ऐसे वक्त में किए गए हैं जब पेरिस में ओलंपिक खेलों की शुरुआत होने वाली है और सप्ताहांत पर यातायात बढ़ने वाला था। अब इससे पूरे देश में रेल यातायात बुरी तरह से बाधित हो जाएगी। कंपनी ने समाचार एजेंसी को बताया, यह टीजीवी. नेटवर्क को पंगु बनाने के लिए बड़े पैमाने पर किया गया एक बड़ा हमला है। इसकी वजह से कई मार्गों पर रेल परिचालन रद्द करना पड़ा है और यह स्थिति कम से कम पूरे सप्ताहांत तक बनी रह सकती है, जब तक कि मरम्मत का काम पूरा ना हो जाय। फ्रांसीसी राष्ट्रीय रेल ऑपरेटर ने कहा है कि रात के अंधेरे में की गई इस दुर्भावनापूर्ण हरकत की वजह से अटलांटिक, उत्तरी और पूर्वी लाइनें भी प्रभावित हुई हैं। हमलों में कई महत्वपूर्ण केबलों को काट दिया गया है और जला दिया गया है। इस बीच, फ्रांसीसी मीडिया ने बताया है कि दक्षिण-पूर्वी लाइन पर एक और हमला सूझबूझ से टाल दिया गया। ऑपरेटर ने कहा है कि इन हमलों से इस सप्ताहांत लगभग 800,000 फ्रांसीसियों की छुट्टियां बाधित हुई हैं, जो यात्रा की योजनाएं बना चुके थे। कंपनी ने कहा है कि ऐसा प्रतीत होता है कि ये हमले योजनाबद्ध तरीके से किए गए हैं और रेल नेटवर्क के अहम रणनीतिक बिंदुओं को सावधानीपूर्वक निशाना बनाया गया है। फ्रांसीसी खेल मंत्री, एमेली ओडेया-कास्टेरा ने इस कायराना हरकत की निंदा की है। उन्होंने बीएफएमटीवी से कहा, यह पूरी तरह से भयावह है। खेलों को निशाना बनाना फ्रांस को निशाना बनाने के समान है।

हो जाइए सतर्क!

भारत में हर साल ढाई फीसदी बढ़ रहे कैंसर के नए मरीज

सरकार ने संसद में गिनाए आंकड़े, दवाइयां भी की सस्ती

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में बढ़ते कैंसर के मरीजों को देखते हुए इस बार बजट में भी कैंसर की दवाइओं को सस्ता करने के लिए कदम उठाए गए हैं। वहीं स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने शुक्रवार को कहा कि सरकार कैंसर के इलाज को सुलभ बनाने और मरीजों की सुविधा के लिए सारे प्रयास कर रह है। लोकसभा में एक सप्लीमेंट्री सवाल का जवाब देते हुए नड्डा ने कहा कि सरकार हर संभव कोशिश कर रही है कि कैंसर के मरीजों को आसानी से इलाज और दवाइयां मिल सकें। उन्होंने कहा, देश में हर साल कैंसर के 2.5 फीसदी मरीज बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुरुषों में मुंह के कैंसर और फेफड़ों के कैंसर के मरीज ज्यादा हैं वहीं महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर के ज्यादा केस पाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि हर साल लगभग 15.5 लाख कैंसर के मामले आ रहे हैं। कैंसर की बीमारी के लिए 131 जरूरी दवाएं हैं जिनकी कीमत की निगरानी सरकार करती है। ये आम तौर पर इस्तेमाल होने वाली दवाएं हैं। उन्होंने कहा कि कैंसर की दवाइयों की सुलभता को सुनिश्चित करने के लिए हमने हर प्रयास किए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार ज्यादा मेडिकल कॉलेज बनाने पर जोर दे रही है जिससे कि डॉक्टरों की संख्या में इजाफा हो।

संक्षिप्त समाचार

पूर्णिया के तनिष्क शोरूम में डकैती, दिनदहाड़े लूटपाट करके भागे बाइक सवार बदमाश

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया में तनिष्क ज्वेलर्स शोरूम में डकैती की घटना को अंजाम दिया गया. करीब आधा दर्जन की संख्या में आए बदमाशों दिनदहाड़े ही शोरूम में घुसे और लूटपाट करके फरार हो गए. रेणु उद्यान के पास स्थित तनिष्क शोरूम में हुई घटना ने पुलिस के भी होश उड़ा दिए हैं. पुलिस महकमे और कारोबारियों में इस घटना से हड़कंप है. पुलिस नाकेबंदी करके अपराधियों को पकड़ने की कोशिश में लगी है.

मिली जानकारी के अनुसार, पूर्णिया के तनिष्क ज्वेलरी शोरूम में हथियार के बल पर चार अपराधियों ने करोड़ों की लूट की घटना को अंजाम दिया है. घटना शुक्रवार को दिन के 12 बजे की बताई जा रही है. घटना को अंजाम देने के बाद सभी चारो अपराधी बाइक से फोर्ड कंपनी की ओर भाग गए.

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, भागने के क्रम में बाइक सवार एक अपराधी का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क पर गिर गया.आनन-फानन में अपराधी वहां से भाग गया. भागने के क्रम में उसका पिस्टल सड़क पर गिर गया जिसे एक टोटो चालक ने उठा लिया और वह भी भाग गया.

वहीं घटना की सूचना पर जिले के एसपी उपेंद्र नाथ वर्मा सहित कई वरीय पुलिस अधिकारी पहुंचे और घटना का जायजा लिया. मौके पर एफएसएल की टीम भी पहुंची है. वहीं शोरूम में लगे सीसीटीवी कैमरा को खंगाला जा रहा है. बताया जा रहा है घटना को अंजाम देने वाले सभी अपराधियों की उम्र 20 से 25 वर्ष के बीच है.

इधर इस लूटपाट का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है. जिसमें पूरी घटना कैद हुई है. फुटेज में साफ दिखता है कि ये बदमाश शोरूम के कर्मियों को हथियार का भय दिखाकर किनारे खड़े करवाते हैं और ज्वेलरी लूटपाट के बाद ये बाहर भाग जाते हैं. एक बदमाश के हाथ में थैला दिखता है जिसमें लूट का सामान भरकर ये फरार हुए हैं.

फरक्का एक्सप्रेस की टाइमिंग में बदलाव, सुबह 5.30 बजे पहुंचेगी भागलपुर

भागलपुर, एजेंसी। भागलपुर होकर पंजाब और पश्चिम बंगाल को जोड़ने वाली फरक्का एक्सप्रेस के समय और परिचालन रफ्तार में बदलाव किया गया है। 26 जुलाई से कुछ स्टेशनों में समय में संशोधन करने के साथ रफ्तार में भी असर देखने को मिलेगा।

ट्रेन संख्या 13413 बालूरघाट-बटिंडा फरक्का एक्सप्रेस के बालुरघाट से अभयपुर तक के समय में बदलाव नहीं हुआ है। किऊल, मोकामा और बाढ़ सहित कानपुर सेंट्रल से भठिंडा तक समय में बदलाव हुआ है। कंचौसी से इसके समय पर परिवर्तन रहेगा।

इस ट्रेन का बिहार में समय बदल गया है। ट्रेन के इस समय में बदलाव शुक्रवार से प्रभावी रहेगा। पंजाब से आने पर यह ट्रेन भागलपुर देर रात 02:14 के स्थान पर सुबह 05:30 पर आएगी।

गरीब रथ एक्सप्रेस में अब भागलपुर रेलवे स्टेशन के टीटीई की जगह दानापुर के टीटीई की ड्यूटी टिकट चेकिंग में लगाई जाने लगी है।

टीटीई की कमी को देखते हुए मालदा मंडल दानापुर मंडल को पत्र लिखा था। जिसके बाद से ट्रेन में दानापुर के टीटीइ ही टिकट चेकिंग के लिए ड्यूटी लगाई जाने लगी।

डाउन गरीब रथ एक्सप्रेस में ही दानापुर के टीटीई टिकट चेकिंग के लिए इस ट्रेन से भागलपुर आते हैं और अप में इस ट्रेन में दानापुर के ही टीटीई डियूटी करते हुए जाते हैं। यह ट्रेन सप्ताह में तीन दिन मंगलवार, गुरुवार व शनिवार को चलती है।

बिहार के नये इलाकों में फैला डेंगू संक्रमण, पिछले दो दिनों में मिले 12 मरीज

पटना, एजेंसी। बिहार में डेंगू संक्रमण लगातार फैलता जा रहा है. पिछले दो दिनों के अंदर 12 से अधिक मरीज मिले हैं. 24 घंटे के अंदर सुपौल में दो और पटना में चार नये मरीजों के मिलने की सूचना है. पटना मेडिकल कॉलेज अस्पताल में तीन और एनएमसीएच में एक कुल चार मरीज पटना में डेंगू के पाये गये हैं. वहीं सिविल सर्जन डॉ मिथलेश्वर कुमार ने कहा कि पीएमसीएच के माइक्रोबॉयलोजी विभाग में हुई जांच में तीन मरीजों की पुष्टि हुई है. इनमें एक मरीज मुसल्लहपुर हाट, दूसरा भूतनाथ और तीसरा शहर के शिवपुरा इलाके का रहने वाला है. इसके साथ ही पटना जिले में डेंगू मरीजों की संख्या बढ़कर 28 हो गयी है.

सुपौल जिले में डेंगू ने दस्तक दे दी. जिले में इस वर्ष अब तक डेंगू के दो मरीज मिले हैं. स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार जिले में डेंगू के सबसे अधिक वर्ष 2023 में 60 मरीज मिले थे. वहीं 2019 में 23 मरीज मिले थे. जबकि वर्ष 2022 में डेंगू के दो मरीज मिले. वर्ष 2020 एवं 2021 में एक भी डेंगू के मरीज नहीं मिले. डेंगू मरीज मिलने के बाद सदर अस्पताल के कमरा नंबर 213 में सिविल सर्जन डॉ ललन कुमार ठाकुर की अध्यक्षता में एक बैठक हुई. बैठक में उन्होंने निर्देश देते कहा कि सभी अपने विभाग के कर्मियों के माध्यम से शहर व ग्रामीण

क्षेत्रों में लोगों को डेंगू से बचाव को लेकर सरकार द्वारा दिये गये गाइड लाइन के बारे में जानकारी दें.

सुपौल जिले में डेंगू मरीजों के लिए सदर अस्पताल में डेंगू वार्ड बनाया गया है. जहां 10 बेड लगाये गये हैं. वहीं सभी अनुमंडलीय अस्पताल पांच-पांच व पीएचसी में दो-दो बेड का वार्ड बनाया जा रहा है. सिविल सर्जन ने बताया कि डेंगू को लेकर जिले भर के सभी अनुमंडलीय अस्पताल एवं पीएचसी में डेंगू से बचाव को लेकर स्वास्थ्य विभाग के द्वारा जारी एडवाइजरी को शत प्रतिशत लागू करने को कहा गया है. सभी अस्पतालों में डॉक्टरों की उपस्थिति अनिवार्य कर दी गयी है. स्वाथ्यकर्मियों को अलर्ट मोड पर रहने को कहा गया है.

सुपौल के सीएस ने कहा कि डेंगू एक प्रकार का बुखार है जो वाइरस से होता है. सामान्य रूप से यह 05 से 07 दिनों के भीतर अपने आप ठीक हो जाता है. लेकिन कुछ परिस्थितियों में यह गंभीर रूप धारण कर लेता है. डेंगू के जांच एवं उपचार की सुविधा जिले के सभी सरकारी अस्पतालों में है. कहा कि घर के आस-पास, घरों के अंदर कूलर, फ्रीज आदि में पानी जमा न होने दे. सप्ताह में एक बार कूलर, फ्रीज आदि का पानी अवश्य बदले. बुखार की स्थिति में रोगी को डॉक्टरों से अवश्य दिखाएं.

भेक्टर रोग नियंत्रण पदाधिकारी विपिन कुमार ने बताया कि डेंगू संक्रमित मादा एडिज मच्छर के काटने से फैलता है. एडिज मच्छर प्रायः दिन में काटती है. किसी संक्रमित रोगी को काटने के उपरांत मच्छर भी संक्रमित हो जाता है. एक बार संक्रमित होने के पश्चात मादा एडिज मच्छर जीवन भर संक्रमित रहती है. एक मादा एडीज मच्छर की औसत आयु लगभग तीन सप्ताह होती है. संक्रमित होने के 8 से 11 दिनों के बाद मच्छर दूसरों में रोग प्रसार के लायक हो जाती है. मादा एडीज मच्छर के पैरों तथा पिछले भाग पर सफेद रेखाएं होती है. इसे टाइगर मच्छर के नाम से भी जाना जाता है। तेज सिर दर्द, बुखार, मांसपेषियों एवं जोड़ो में दर्द, आंखों के पीछे दर्द, मितली, उल्टी, त्वचा पर चकता होना आदि है. डेंगू के रोगी को पूरी तरह आराम करना चाहिए. शरीर के तापमान को कम रखने के लिए बदन को पानी से भींगे कपड़े को निचोड़ कर शरीर को हर वक्त पोछना चाहिए. तेज बदन दर्द होने पर हल्की दर्द निवारक दवाएं लेनी चाहिए. रोगी के शरीर में पानी की कमी को दूर करने के लिए ओआरएस या घर में बने जीवन रक्षक अथवा अन्य तरल पदार्थ यथा फल, सब्जी का जूस व सूप दें।

आसीपी सिंह का नीतीश कुमार को लेकर बड़ा बयान, बताया सीएम के गुस्से का कारण

पटना, एजेंसी। पिछले काफी दिनों तक मीडिया से दूर रहे भाजपा नेता और जदयू के पूर्व अध्यक्ष आरसीपी सिंह का नीतीश को लेकर बड़ा बयान आया है. जदयू छोड़ने के बाद लगातार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ बयान देनेवाले आरसीपी सिंह का लहजा अब बदल गया है. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रति आरसीपी न केवल सॉफ्ट दिख रहे हैं, बल्कि वो नीतीश कुमार के पक्ष में दलीलें दे रहे हैं. अचानक से नीतीश के प्रति उनका प्रेम बिहार के सियासी गलियारे में चर्चा का विषय बना हुआ है। मानसूत्र सत्र के दौरान बिहार विधानसभा में बुधवार को नीतीश कुमार ने आरजेडी महिला विधायक के खिलाफ टिप्पणी की थी. इसको लेकर पूरा विपक्ष नीतीश कुमार पर हमलावर है. खगड़िया आये आरसीपी सिंह से जब पत्रकारों ने इस मामले में सवाल किया तो आरसीपी सिंह नीतीश कुमार का बचाव करते नजर आए. आरसीपी सिंह ने कहा कि इस मामले को तूल देने की जरूरत नहीं है. नीतीश बाबू सबके गार्जियन हैं, गार्जियन कभी नाराजगी जाहिर करे तो उसे दिल से नहीं लेनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि नीतीश कुमार यूं ही नहीं गुस्सा करते हैं. उन्हें जरुरत कुछ ऐसा बात लगा होगा, तभी उनको गुस्सा आता है. पहली बार बिहार में महिलाओं को आरक्षण नीतीश बाबू ने दिया. विपक्ष का तो काम ही हंगामा करना है. आरसीपी ने कहा कि यह तो हम सब जानते हैं कि नीतीश कुमार महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए कई स्कीम चलाएं हैं. पंचायती राज व्यवस्था में पहली महिलाओं को आरक्षण दिलवाए हैं।

मिथिला संस्कृति पर आधारित मधुश्रावणी शुरू, 14 दिनों तक व्रत रखेंगी नवविवाहित महिलाएं

भागलपुर, एजेंसी। मिथिला संस्कृति पर आधारित मधुश्रावणी सावन शुक्ल के कृष्ण पक्ष की पंचमी तिथि गुरुवार से शुरू हो गई। जिसका समापन मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया सात अगस्त को किया जाएगा। 14 दिनों तक चलने वाले मधुश्रावणी व्रत को लेकर नवविवाहिताएं यह व्रत अपने मयके में ही करती हैं।

इन चौदह दिनों के अनुष्ठान में नवविवाहिताएं नमक का सेवन नहीं करती हैं। तिलकामांझी महावीर मंदिर के पंडित आनंद झा ने बताया कि 14 दिनों तक इस बार मधुश्रावणी का व्रत नवविवाहिताएं करेंगी। इसमें भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा की जाती है।

उन्होंने बताया कि इसमें महादेव गौरी, नाग-नागिन की मूर्ति स्थापित कर कई तरह के फूलों से पूजा-अर्चना की जाती है। नैवेद्य में फल, मिठाई आदि का भोग लगाया गया। पहली बार पूजा करने के लिए नवविवाहिताओं को विशेष पूजा करनी पड़ती है।

पहली बार मधुश्रावणी व्रत करने वाली सपना झा ने बताया कि मधुश्रावणी व्रत मैथिल समाज की नवविवाहिताओं के लिए बहुत ही खास महत्व रखती है। इसमें 14 दिनों तक शिव-पार्वती नाग-नागिन की मूर्ति स्थापित कर पूजा शुरू किया गया। मधुश्रावणी व्रत में गोसांई गीत, कोहबर गीत सहित झूमर आदि महिलाओं द्वारा गाई जाती है।

इस व्रत की सबसे खास बात यह है कि 14 दिनों तक व्रती अरबा खाना खाती हैं यहां तक की सेंधा नमक का भी प्रयोग नहीं किया जाता है। शिखा झा छोटी ने बताया कि शादी के बाद से ही नव विवाहिताओं को मधुश्रावणी व्रत का इंतजार बेसब्री से रहती है। बहुत ही कठिन व्रत है। ससुराल से भेजे गए भोजन सामग्री से अरबा भोजन करती हैं।

कांवरिया पथ पर हत्या, करंट लगने से भी बम की मौत, एक दिन में तीन कांवरियों की गयी जान

बांका, एजेंसी। श्रावणी मेला 2024 का शुभारंभ हो चुका है और उत्तरवाहिनी गंगा जल भरकर कांवरियों का जत्था सुल्तानगंज से बाबाधाम देवघर के लिए रवाना होने लगे हैं. कांवरिया पथ शिवभक्तों से खचाखच भरा हुआ दिखने लगा है. वहीं सावन मेला 2024 के दौरान पैदल देवघर जाने वाले कई कांवरियों के साथ दुखद हादसे की घटना भी सामने आयी है. एक कांवरिया की मौत करंट लगने से हो गयी जबकि एक कांवरिये को अपराधी ने चाकू मार दिया जिससे उसकी मौत हो गयी. वहीं दिल का दौरा पड़ने से एक कांवरिये की मौत हुई है.

कांवरिया पथ पर बुधवार को एक कांवरिया से लूटपाट की घटना को अंजाम दिया गया. बांका के कटोरिया में छपरहिया धर्मशाला के निकट कोल्हुआ मोड़ के पास कांवरिया पथ पर इस घटना को अंजाम दिया गया. बेखौफ बदमाशों ने गुरुवार की रात करीब साढ़े नौ बजे धनबाद के एक युवा कांवरिया को अपना निशाना बनाया. बदमाशों ने कांवरिये की मोबाइल छीनने की कोशिश की और जब उसने इसका विरोध किया तो चाकू मारकर कांवरिये की हत्या कर दी.

मृत कांवरिया के साथी कांवरिया अमित कुमार ने बताया कि हम सभी गाड़ी के पास खाना खा रहे थे. हमारा साथी कांवरिया अशीत मंडल लघुशंका के लिए गया और अचानक मोबाइल चोर का हल्ला करके दो लूटेरों का पीछा करने लगा. बदमाशों ने कांवरिया अशीत के गर्दन पर धारदार चाकू से वार कर दिया. चाकू कांवरिया के गर्दन के आर-पार हो गया था. उसकी मौत हो गयी. वहीं अपने साथी कांवरिये की मौत के बाद पूरे ग्रुप में मातम पसर गया. वारदात की सूचना पर बेलहर पुलिस अनुमंडल के एसडीपीओ राजकिशोर कुमार व कटोरिया थानाध्यक्ष अरविंद कुमार राय दल-बल के साथ पहुंचे और मामले की जांच में जुटे हैं. एक अन्य घटना में बांका जिले के कटोरिया थाना अंतर्गत कटोरिया-देवघर कांवरिया पथ पर कोल्हुआ गांव स्थित एक चाय नाश्ता की दुकान पर ठहरे कांवरिया की करंट लगने से मौत हो गई. मृत कांवरिया की पहचान झारखंड के जमशेदपुर के आदित्यपुर गांव निवासी स्वर्गीय राम रोहितास आजीवाल के 55 वर्षीय पुत्र रमेश कुमार आजीवाल के रूप में हुई है. मृत कांवरिया के साथ यात्रा कर रहे चचेरा भाई मनोज कुमार आजीवाल ने बताया की कांवर यात्रा के दौरान वे लोग गुरुवार की सुबह करीब 9:30 बजे कोल्हुआ स्थित एक चाय नाश्ता की दुकान में विश्राम करने ठहरे थे. तभी कांवरिया रमेश कुमार आजीवाल बाथरूम जाने जा रहे थे, इसी क्रम में स्टैंड फैन के लीकेज तार से उन्हें करंट लग गया. उन्हें अचेत अवस्था में कटोरिया रेफरल अस्पताल लाया गया. जहां प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉक्टर एसडी मंडल ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया.

बांका के सुईया थाना अंतर्गत अबरखा स्थित दलसिंहसराय धर्मशाला के समीप हर्ट-अटैक से मुंगेर जिला के एक कांवरिया की मौत हो गयी. मृत कांवरिया की पहचान मुंगेर जिला के कोतवाली थाना अंतर्गत बासुदेवपुर गांव निवासी स्व दुलार झा के 65 वर्षीय पुत्र शालीग्राम झा उर्फ सुमन झा के रूप में हुई है. प्राप्त जानकारी के अनुसार कांवरिया शालीग्रमा झा उर्फ सुमन झा अपने पुत्र संजीव झा के साथ सुल्तानगंज से कांवर में जल भरकर जलाभिषेक करने पैदल बाबाधाम जा रहे थे. रास्ते में ही उनकी तबियत बिगड़ने लगी. पुत्र द्वारा दलसिंहसराय धर्मशाला अबरखा में ले जाया गया, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया. सूचना मिलते ही सुईया थानाध्यक्ष विशाल कुमार ने घटनास्थल पर पहुंचकर जानकारी ली. मृतक के पुत्र द्वारा सुइया थाना में आवेदन देकर शव का पोस्टमार्टम नहीं कराया. पीड़ित परिजन शव को अपने गांव ले गये।

एमएलसी पद से हटाए गए लालू के करीबी सुनील सिंह

पटना, एजेंसी। राजद के एमएलसी डॉ सुनील कुमार सिंह की बिहार विधान परिषद से सदस्यता समाप्त कर दी गयी है. विधान परिषद की आचार समिति की अनुशंसा शुक्रवार को पारित कर दी गयी. जिसके बाद सुनील सिंह अब विधान परिषद के सदस्य नहीं रहे. सदन में असंसदीय और अमर्यादित व्यवहार के आरोप में सुनील सिंह के खिलाफ ये कार्रवाई की गयी है. जदयू के वरिष्ठ सदस्य और मौजूदा उप सभापति डॉ रामवचन राय की अध्यक्षता वाली आचार समिति का प्रतिवेदन सदन में गुरुवार को पेश किया गया था जिसे शुक्रवार को पारित कर दिया गया.

विधान परिषद की सदस्यता खो चुके राजद के सुनील सिंह पर सदन के नेता मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के खिलाफ अमर्यादित टिप्पणी का आरोप है. आरोप लगा है कि सुनील सिंह एवं मो सोहैब ने मुख्यमंत्री की मिमिक्री की और कहा कि वे 18 साल से बिना चुनाव लड़े मुख्यमंत्री बने हुए हैं. समिति ने सुनील सिंह का पक्ष जानने के लिए बार-बार बुलाया. वह चौथी बार समिति के सामने आये और उसके सदस्यों के अधिकार को लेकर सवाल खड़े कर दिये.

राजद नेता सुनील सिंह ने कहा कि विधान परिषद की सदस्यता साजिश के तहत छीनी गयी है . दरअसल, ये लोग नहीं चाहते कि सदन में गरीबों, अल्पसंख्यकों और बेरोजगारों की बात उठायी जाये. बिजली बिल में भ्रष्टाचार और शिक्षा के क्षेत्र के भ्रष्टाचार को सामने लाए. सुनील सिंह ने कहा कि हमारे नेता तेजस्वी यादव और राष्ट्रीय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव अब आगे इसपर फैसला लेंगे. उन्हें तय करना है कि सदन की कार्यवाही आगे चलने दी जाएगी या इस काले कानून के खिलाफ आवाज बुलंद किया जाएगा।

मंत्री श्रवण कुमार ने कारगिल पार्क में अमर जवानों को दी श्रद्धांजलि

नालन्दा। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर बिहारशरीफ के शहीद - ए - कारगिल पार्क में ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने अमर जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस मौके पर मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि देश की सीमाओं पर हमारे वीर जवान दिन-रात अपनी जान की बाजी लगाकर देश की रक्षा करते हैं। उनकी वजह से ही हम आज सुरक्षित हैं। कारगिल युद्ध में हमारे जवानों ने अदम्य साहस का परिचय दिया था। उनकी शहादत को हम कभी नहीं भूल सकते। आज पूरा देश कारगिल विजय दिवस मना रहा है। यह दिन हमें हमारे वीर जवानों के बलिदान को याद दिलाता है। हमें उनके सपनों को साकार करने के लिए कर्मठता से कार्य करना चाहिए।कारगिल विजय दिवस भारत के लिए एक महत्वपूर्ण दिन है। इस दिन हम उन वीर जवानों को याद करते हैं जिन्होंने कारगिल युद्ध में देश की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया था। उनकी शहादत ने देश की एकता और अखंडता को मजबूत किया है।

अब पटना एम्स में होगी किडनी ट्रांसप्लांट की सुविधा, इन राज्यों के मरीजों को भी मिलेगा लाभ

पटना, एजेंसी। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, पटना किडनी प्रत्यारोपण की सुविधा शुरू करने की तैयारी कर रहा है. स्वास्थ्य विभाग द्वारा मानव अंग और उत्तक प्रत्यारोपण अधिनियम, 1994 के तहत एम्स, पटना को किडनी प्रत्यारोपण के लिए मंजूरी दे दी गई है.

एम्स में किडनी ट्रांसप्लांट सुविधा उपलब्ध हो जाने से बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल, उत्तर पूर्वी राज्यों और यहां तक कि उत्तर प्रदेश और ओडिशा के मरीजों को भी लाभ मिलेगा. वर्तमान में देश के इस हिस्से के मरीजों को ट्रांसप्लांट सर्जरी के लिए दिल्ली एम्स और पीजीआइ, चंडीगढ़ जैसे उच्च केंद्रों में जाना पड़ता है. एम्स के कार्यकारी निदेशक और सीइओ डॉ गोपाल कृष्ण पाल ने कहा कि किडनी ट्रांसप्लांट इस साल अगस्त माह से शुरू होने की उम्मीद है. उन्होंने कहा कि सात डॉक्टरों की एक टीम ने पीजीआइ, चंडीगढ़ में औपचारिक अल्पकालिक प्रशिक्षण पूरा कर लिया है. उन्होंने कहा कि निजी सुविधाओं पर 8-10 लाख की तुलना में एम्स में एक मानक किडनी ट्रांसप्लांट की लागत लगभग तीन लाख होने की उम्मीद है, जिसमें दवाओं और अस्पताल में रहने का खर्च भी शामिल है. मालूम हो कि बिहार में आइजीआइएमएस एकमात्र सरकारी अस्पताल है, जहां अभी किडनी ट्रांसप्लांट की सुविधा है।

शहर में ऑटो व इ-रिक्शा के लिए बनेगा पार्किंग स्थल, परिवहन विभाग ने जिलों को भेजा दिशा-निर्देश

पटना, एजेंसी। परिवहन विभाग ने ऑटो व इ- रिक्शा के परिचालन को बेहतर ढंग से संचालित करने के लिए कार्य योजना तैयार की है. विभाग की नई पहल का मकसद शहरों को जाममुक्त बनाना और यात्रियों को सुरक्षित, सुविधाजनक परिवहन सेवा प्रदान करना है. इस नियमावली के तहत सभी ऑटो व इ -रिक्शा को जोन में बांटा जाएगा और इसके लिए आवश्यकता के मुताबिक पार्किंग स्थल बनाया जाएगा. विभाग ने पार्किंग के लिए जगह चिह्नित करने को सभी जिलों को दिशा-निर्देश भेज दिया है. अगले माह से जोन में बंटवारे के साथ पार्किंग स्थल पर ही ऑटो और इ-रिक्शा रुकेंगे. एक सितंबर से इस नियम को सख्ती से लागू करने का लक्ष्य निर्धारित कर लिया गया है. इस नीति के लागू होने से राज्य के शहरों में ऑटो व इ-रिक्शा का व्यवस्थित परिचालन हो सकेगा. इसके साथ ही जाम की समस्या से भी निजात मिल सकेगी. प्रदूषण में कमी, यात्रियों की सुरक्षित यात्रा, सड़क दुर्घटनाओं में कमी एवं ऑटो , इ-रिक्शा के पार्किंग स्थल एवं ठहराव स्थल का निर्धारण होने से यात्रियों को बेहतर परिवहन सेवा उपलब्ध हो सकेगी।

पटना में वेतन बढ़ाने की मांग कर रहे शिक्षकों पर लाठीचार्ज

पटना, एजेंसी। बिहार के शारीरिक शिक्षा एवं स्वास्थ्य अनुदेशक पर पटना में लाठीचार्ज हुआ है, ये लोग अपनी मांगों को लेकर के सचिवालय गेट के पास पूर्णकालिक करने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे. साथ ही वेतन 8 हजार से 32 हजार करने की मांग कर थे. इस लाठीचार्ज में कई अभ्यर्थी घायल हो गए और महिलाओं को भी पुलिसकर्मियों द्वारा धकेलते हुए देखा गया. प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट किया कि वे अपनी सेवा शर्तों और वेतनमान में सुधार के लिए संघर्ष जारी रखेंगे.

पुलिस और प्रदर्शनकारियों में झड़पः जानकारी के अनुसार शुक्रवार को पटना में सचिवालय गेट के पास शारीरिक शिक्षा एवं स्वास्थ्य अनुदेशक संघ द्वारा विरोध प्रदर्शन किया. प्रदर्शन का उद्देश्य अपनी सेवा शर्तों और वेतनमान में सुधार की मांग करना था. प्रदर्शन के

दौरान पुलिस और अभ्यर्थियों के बीच तनाव बढ़ता गया. प्रदर्शन के दौरान स्थिति बिगड़ गई, जिससे पुलिस ने भीड़ पर नियंत्रण पाने के लिए बल प्रयोग करना और लाठीचार्ज का सहारा लिया. इससे कई अभ्यर्थी घायल हो गए. घायलों में कई महिलाएं भी शामिल थीं, जिन्हें पुलिस द्वारा धकेलते हुए देखा गया. इस घटना ने प्रशासन और प्रदर्शनकारियों के बीच तनाव को और बढ़ा दिया है.

वेतनमान में हो सुधारः बिहार शारीरिक शिक्षा एवं स्वास्थ्य अनुदेशक संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ राजेश कुमार पांडेय ने बताया कि वेतनमान में सुधार की मांग लंबे समय से की जा रही है. उन्होंने कहा कि बिहार सरकार द्वारा शिक्षक नियोजन नियमावली 2012 के अंतर्गत स्ज्ञश्वज्ञ 2019 का आयोजन किया गया था, जिसमें शारीरिक शिक्षा एवं स्वास्थ्य अनुदेशक की बहाली के लिए परीक्षा ली गई, लेकिन बहाली प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी और वेतनमान भी उचित नहीं है. डॉ. पांडेय ने बताया कि नियोजन नियमावली 2012 के तहत शिक्षकों के वेतनमान में प्राथमिक शिक्षकों के लिए 5000 रुपए, माध्यमिक शिक्षकों के लिए 6000 रुपए और शारीरिक शिक्षा अनुदेशक का वेतन 4000 रुपए तय किया गया था. उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान में उनका वेतन 8000 रुपए निर्धारित किया गया है, जो कि बहुत कम है और इसमें सुधार की आवश्यकता है.

जारी रहेगा संघर्षः प्रदर्शनकारियों का कहना है कि शारीरिक शिक्षा एवं स्वास्थ्य अनुदेशक संघ के सदस्य अपनी मांगों को लेकर दृढ़ हैं और उनका कहना है कि वे तब तक संघर्ष करते रहेंगे जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं हो जातीं. प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट किया कि वे अपनी सेवा शर्तों और वेतनमान में सुधार के लिए संघर्ष जारी रखेंगे. इस घटना के बाद प्रशासन ने स्थिति को सामान्य करने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात किए हैं और प्रदर्शनकारियों से शांति बनाए रखने की अपील की है. प्रदर्शनकारियों का कहना है कि वे अपनी मांगों के प्रति गंभीर हैं और सरकार को इस मुद्दे पर जल्द से जल्द ध्यान देना चाहिए।

STONE CLINIC MOTIHARI
स्टोन क्लिनिक मोतिहारी
शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी, बैंक रोड, राजेश्वरी पैलेस होटल के पूरब वाली गली में

जिले के दो मुखिया स्वास्थ्य मंत्री से हुए सम्मानित, अधिकारियों ने दी बधाई

जनसंख्या स्थिरीकरण माह के दौरान परिवार नियोजन के स्थायी व अस्थायी साधनों के उपयोग बढ़ाने हेतु जागरूक करने के लिए मिला सम्मान

मुखिया राजू बैठा व गोपाल राय हुए हैं सम्मानित

बीएनएम। मोतिहारी

जनसंख्या स्थिरीकरण माह के दौरान परिवार नियोजन कार्यक्रम में बेहतर कार्य करने के लिए स्वास्थ्य मंत्री मंगल पाण्डेय ने जिले के दो मुखिया राजू बैठा (गोढ़वा पंचायत, मोतिहारी सदर) एवं गोपाल राय (एकडरी पंचायत, छौड़ादानों) को सम्मानित किया है। उन्होंने विशेष ग्राम सभा का आयोजन करने, परिवार नियोजन कार्यक्रम में जागरूकता फैलाने, नव विवाहित दंपतियों के बीच नई पहल किट वितरण कराने, बढ़ती जनसंख्या पर रोक हेतु महिलाओं को परिवार नियोजन कराने, पुरुषों को नसबंदी कराए जाने के साथ ही स्थायी व अस्थायी विधियों के उपयोग हेतु जागरूकता फैलाने में अग्रणी भूमिका निभाई है। उनके इन योगदानों के लिए पटना में सेंटर फॉर कैटालाइजिंग चेंज (सी3) संस्था द्वारा आयोजित कार्यक्रम मे उन्हें सम्मानित किया गया। सी-3 के जिला प्रतिनिधि आदित्य राज ने बताया कि पटना में सेंटर फॉर कैटालाइजिंग चेंज (सी3) की ओर से जनसंख्या स्थिरीकरण माह के अवसर पर युवा जोड़ों के लिए प्रतिवर्ती गर्भ निरोधकों पर केंद्रित एक गोलमेज चर्चा बुलाई गई थी। इसी कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे ने कई जिलों के मुखिया और वार्ड सदस्यों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में मुखिया राजू बैठा ने पूर्वी चंपारण में सास बहू बेटी सम्मेलन आयोजित करने के अपने प्रयासों के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि कैसे जीपीडीपी के लिए थीम के रूप में "स्वस्थ गांव" को चुना है। मुखिया गोपाल राय ने पूर्वी चंपारण में मिशन परिवार विकास के अंतर्गत अपने पंचायत में विशेष ग्राम सभा का आयोजन कर पंचायत की 10 नव विवाहित दंपतियों को नई पहल किट वितरण करने में महती भूमिका निभाई थी। इसके साथ ही अपने पंचायत में परिवार नियोजन में पुरुषों की भागीदारी सुनिश्चित कराने के लिए लगातार जागरूकता अभियान चलाया। इस अवसर पर सेंटर फॉर कैटालाइजिंग चेंज की कार्यकारी निदेशक डॉ. अपराजिता गोगोई ने बताया कि कैसे लड़कियों की शिक्षा पूरी करने से बेहतर स्वास्थ्य परिणाम मिलते हैं। स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे ने गर्भनिरोधक विकल्पों को सभी के लिए सुलभ बनाने के लिए राज्य सरकार के वर्तमान प्रयासों और भविष्य की प्राथमिकताओं पर प्रकाश डालते हुए युवा जोड़ों की आवाज और विकल्पों को भी सामने रखा। साथ ही आठ परिचालन रणनीतियों की रूपरेखा वाले रोडमैप के साथ C3 की नीति संक्षिप्त भी जारी की।

जनप्रतिनिधियों के सम्मानित होने पर अधिकारियों ने दी बधाई:- जनप्रतिनिधियों के सम्मानित होने पर जिले के सिविल सर्जन डॉ. विनोद कुमार सिंह, एसीएमओ डॉ. श्रवण कुमार पासवान, डीसीएम नंदन झा, डीपीएम ठाकुर विश्वमोहन व अन्य स्वास्थ्य अधिकारियों ने बधाई देते हुए कहा कि जन समुदाय व आम लोगों को परिवार नियोजन जैसे विषय में जागरूक करना बेहद जरुरी है, तभी बढ़ती जनसंख्या पर रोक सम्भव हो पायेगा। डीसीएम ने कहा कि जिले के अन्य जनप्रतिनिधियों को भी अपने क्षेत्र मे लोगों को जनहित के मुद्दे पर जागरूक करनी चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

नवविवाहिता की हत्या के तीस घंटे बाद पुलिस ने दियारा क्षेत्र से मिट्टी खोदवाकर शव किया बरामद

- दहेज मामले में विवाहिता की मंगलवार की रात में ससुराल वालों ने हत्या कर शव को किया था ग़ायब
- लड़की के पिता के आवेदन पर आधा दर्जन पर केश दर्ज
- एक से दो दिन में गर्भवती नवविवाहिता को होने वाली थी बच्चे की पैदाइशी

बीएनएम। नौतन। थाना क्षेत्र के शिवराजपुर गांव में दहेज खातिर मंगलवार की रात गर्भवती नवविवाहिता मधु देवी की हत्या कर शव को आनन फानन में गायब कर दियारे में जमीन के अंदर गाड़ दिया गया था। पुलिस की सक्रीयता से तीस घंटे के अंदर शव को बुधवार के दिन बरामद कर लिया गया है।मृतक विवाहिता मधु देवी के पिता रामाकांत साह के बयान पर आधा दर्जन लोगों को आरोपित किया गया है। जिसमें राजेश्वर साह, जंग बहादुर साह, संगीता देवी, संजय कुमार समेत कई लोगों को आरोपी बनाया गया है।थानाध्यक्ष राजेश कुमार ने बताया कि दहेज को लेकर विवाहिता का हत्या कर शव गायब कर देने को लेकर विवाहिता के पिता द्वारा मिले आवेदन पर कारवाई करते हुए बुधवार को शिवराजपुर चंपारण तटबंध के पार दियारे से मजिस्ट्रेट सह बीडीओ शैलेन्द्र कुमार सिंह की उपस्थिति में शव को मिट्टी से निकलवाया गया है। पंचनामा रिपोर्ट तैयार कर शव को पोस्टमार्टम में भेज दिया गया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि महिला गर्भवती थी।उसका लास्ट महिना चल रहा था।एक दो दिन में बच्चे की पैदाइशी थी ।इधर दहेज को लेकर ससुराल वालों ने नवविवाहित की हत्या कर शव जमीन मे गाड़ दिया गया था।शव को दियारे में पहुंचाने व गायब करने में कुछ और लोगों का नाम सामने आ रहा है। पुलिस विन्दुवार मामले की जांच कर रही है।सभी आरोपी घर छोड़ फरार है। नवविवाहिता के मायके से आये उसके मां,भाई,बहन व अन्य के द्वारा बताये गये सभी तथ्यों पर बारिकी से जांच किया जा रहा है। पुलिस आरोपियों को पकड़ने के लिए छापेमारी अभियान में जुट गई है।

विभिन्न मामलों के पाँच आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम। केसरिया। थाना क्षेत्र के विभिन्न जगहों से पुलिस ने एक वारंटी सहित पाँच आरोपियों को गिरफ्तार कर शुक्रवार को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। थानाध्यक्ष उदय कुमार ने बताया कि एससी/एसटी मामले के आरोपी थाना क्षेत्र के ढेकहाँ के रवि कुमार व उमाशंकर गुप्ता एवं शराब मामले के आरोपी लोहरगावां के जयलाल सहनी व चंदेश्वर सहनी को गिरफ्तार किया गया। वहीं कोर्ट के वारंटी गवन्द्री के गौरीशंकर सिंह को पकड़ा गया।

मोतिहारी कोर्ट हाजत से फरार कैदी के खुलासे से पुलिस महकमा में हड़कंप

बीएनएम। पूर्वी चंपारण। कोर्ट परिसर की कड़ी सुरक्षा के बाबजूद गुरुवार को कोर्ट हाजत से फरार हुए दो कैदियो में से पुलिस ने एक को तो गिरफ्तार कर लिया है लेकिन गिरफ्तार कैदी ने जो खुलासा किया है। उसे जानने के बाद मोतिहारी पुलिस की भष्ट्र चेहरे को बेनकाब कर दिया है। फरार कैदी ने उसे भगाने के लिए सुरक्षा में लगे पुलिस ने 20 हज़ार रुपया लेकर हाजत का ग्रिल काटने के लिए हेक्सा ब्लेड उपलब्ध कराया था। इस पूरे मामले की जांच को लेकर तत्काल एक टीम का गठन किया गया है। उल्लेखनीय है कि गुरुवार को मोतिहारी सिविल कोर्ट से गंभीर अपराध के आरोपी दो कैदी पताही के अरुण सहनी और आदापुर के अरविंद ठाकुर को मोतिहारी सेन्ट्रल जेल से सुनवाई के लिए कोर्ट में लाया गया। जहां दोनो कैदी कोर्ट हाजत की खिड़की को काटकर गमछा के सहारे भागने में कामयाब रहे। हालांकि कोर्ट परिसर की घेराबंदी कर फरार कैदी अरुण सहनी को कोर्ट परिसर से ही पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया गया लेकिन दूसरे अरविंद ठाकुर भागने में सफल रहा। प्रभारी एसपी सह एएसपी शिखर चौधरी ने बताया कि कोर्ट हाजत से शाम में दो कैदी फरार हो गए थे,जिसमें से एक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है ।वही दूसरे के गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है ।

कौशल विकास के माध्यम से सशक्त बनेंगे पूर्वी चंपारण के युवा: आनंद अतिरेक

बीएनएम। मोतिहारी

युवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए कृषक विकास समिति ने शुक्रवार को हाउस वायरिंग पर नाबार्ड द्वारा संपोषित 30 दिवसीय कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन किया। शहर के चिलवनिया में आयोजित इस कार्यक्रम में 25 युवकों ने भाग लिया था, जो अब एक नई पेशेवर यात्रा शुरू करने के लिए आवश्यक कौशल से लैस हैं। समापन समारोह में प्रतिभागियों को उपकरण किट और प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए। इस तरह की कौशल विकास पहल सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मुफ्त प्रशिक्षण प्रदान करके ये कार्यक्रम रोजगार और आत्मनिर्भरता के लिए नए रास्ते खोलते हैं। प्रतिभागियों को व्यावहारिक ज्ञान और व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होता है जो उनके आत्मविश्वास और रोजगार क्षमता को काफी बढ़ाता है। इसके अलावा टूल किट का प्रावधान यह सुनिश्चित करता है, कि प्रशिक्षु उद्यमशीलता और आत्मनिर्भरता की भावना को बढ़ावा देते हुए अपने स्वयं के उद्यम शुरू करने या अपने संबंधित क्षेत्रों में नौकरी सुरक्षित करने के लिए तैयार हैं। इस समापन समारोह के दरम्यान नाबार्ड, पूर्वी चंपारण के डीडीएम आनंद अतिरेक ने इस तरह के कार्यक्रमों के महत्व पर जोर देते हुए कहा, कि "अपने युवाओं को व्यावहारिक कौशल से लैस करके हम न केवल उनकी रोजगार क्षमता बढ़ा रहे हैं, बल्कि स्वतंत्रता और आत्मविश्वास की भावना को भी बढ़ावा दे रहे हैं जो उनके भविष्य के सभी प्रयासों में उनकी अच्छी तरह से सेवा करेगा। केवीएस के अध्यक्ष उमाशंकर प्रसाद ने कहा, "नाबार्ड कृषक विकास समिति जैसे समर्पित संगठनों के सहयोग से इस तरह की और पहलों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है। उनहोंने कहा कि केवीएस का लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि आर्थिक विकास का लाभ जिले के समुदायों के हर कोने तक पहुंचे। एक मजबूत और आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था का निर्माण हो।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तुरकौलिया का सदर एसडीओ ने किया औचक निरीक्षण

बीएनएम। मोतिहारी

अनुमंडल पदाधिकारी सदर मोतिहारी श्रेष्ठ अनुपम के द्वारा तुरकौलिया प्रखंड स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान वहां पर आयुष्मान कार्ड बना रहे कर्मी एवं पदाधिकारी से जरूरी पूछताछ की गई एवं प्राप्त आवेदनों की जानकारी दी गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की जांच के दौरान चिकित्सक एवं स्टाफ की उपस्थिति के साथ-साथ केंद्र पर उपलब्ध दवाइयां की जानकारी प्राप्त की गई। एसडीओ के द्वारा तुरकौलिया के विभिन्न पंचायत का भी भ्रमण किया। तुरकौलिया मध्य, तुरकौलिया पश्चिमी एवं सपही पंचायत का भ्रमण कर वहां बनाए जा रहे आयुष्मान कार्ड की प्रक्रिया देखी गई और कहा गया कि कोई भी योग्य पात्र आयुष्मान कार्ड से वंचित नहीं रहना चाहिए। प्रयास होना चाहिए कि सभी पात्र व्यक्ति का आयुष्मान कार्ड बन जाए।

अनुमंडलीय व्यवहार न्यायालय के लिए जमीन की उपलब्धता का किया गया स्थलीय निरीक्षण

बीएनएम। मोतिहारी

उच्च न्यायालय पटना के निरीक्षण न्यायाधीश प्रभात कुमार सिंह के द्वारा जिला एवं सत्र न्यायाधीश पूर्वी चंपारण देवराज त्रिपाठी एवं जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के साथ जिला के चकिया, पकड़ीदयाल, सिकरहना एवं रक्सौल अनुमंडल में व्यवहार न्यायालय के लिए 6.5 एकड़ जमीन की उपलब्धता का स्थलीय निरीक्षण कर जायज लिया गया। चकिया अनुमंडल में कॉलेज के दाहिनी तरफ राष्ट्रीय उच्च पथ से सटे हुए 6.5 एकड़ जमीन अनुमंडलीय व्यवहार न्यायालय चकिया के लिए चिन्हित किया गया एवं अनुमंडल पदाधिकारी एवं डीसीएलआर चकिया को इसका प्रस्ताव बनाकर शीघ्र भेजने का निर्देश दिया गया। यहां पर व्यवहार न्यायालय के साथ-साथ डिजिटल कोर्ट रूम, अधिवक्ताओं की बैठका तथा न्यायाधीश आवासीय परिसर का निर्माण होना है। इसी तरह पकड़ीदयाल, सिकरहना एवं रक्सौल अनुमंडल में भी अनुमंडलीय व्यवहार न्यायालय के लिए जमीन की उपलब्धता देखी गई। पकड़ीदयाल में पकड़ीदयाल अनुमंडल कार्यालय से 2 किलोमीटर की दूरी पर पकड़ीदयाल-चोरमा के बीच जमीन की उपलब्धता देखी गई और उसकी मुआयना की गई। रक्सौल अनुमंडल में अनुमंडल कार्यालय के बगल में ही अवस्थित जमीन का नापी करकर देख लेने का निर्देश अनुमंडल पदाधिकारी रक्सौल को दिया गया। इस अवसर पर संबंधित अनुमंडल के अनुमंडल पदाधिकारी एवं डीसीएलआर भी उपस्थित रहे।

व्यवहार न्यायालय को लेकर न्यायाधीश ने रक्सौल अनुमंडल का किया निरीक्षण

बीएनएम। रक्सौल

शुक्रवार को रक्सौल में अनुमंडल स्तर पर व्यवहार न्यायालय की स्थापना को लेकर जमीन का निरीक्षण किया गया। पटना उच्च न्यायालय के न्यायधीश सह पूर्वी चंपारण के निरीक्षी न्यायाधीश प्रभात कुमार और पूर्वी चंपारण के जिला मुख्य न्यायधीश देवराज त्रिपाठी, डीएम सौरभ जोरवाल रक्सौल अनुमंडल कार्यालय पहुंच कर अनुमंडल कार्यालय के आसपास खाली पड़े भूमि का जायजा लिया। अनुमंडल कार्यालय के उतर और दक्षिण दोनों तरफ के भूमि में क्वार्टर और कोर्ट बनाने पर चर्चा हुई। जिसका कीमत काफी अधिक है। जिसपर पटना के न्यायधीश ने अपना सुझाव देते हुए कहा कि अनुमंडल कार्यालय के दोनो तरफ के भूमि और पीछे वाली भूमि न्यायालय निर्माण लिए पर्याप्त दिख रहा है।मापी होने पर पता चलेगा कि उक्त भूमि का रकबा कितना है। मोतिहारी से रक्सौल आने पर रक्सौल एसडीएम शिवाक्षी दीक्षित ने स्वागत किया साथ ही अनुमंडल पदाधिकारी के कार्यालय कक्ष में बैठ किया गया जिसमें एसडीएम शिवाक्षी दीक्षित के द्वारा जमीन से सम्बंधित आवश्यक जानकारी दिया गया।इस दौरान बताया गया कि कोर्ट की स्थापना के लिए 6 एकड़ जमीन की आवश्यकता है। साथ ही अनुमंडल के पीछे वाली खाली भूमि को भी दोनों न्यायधीशों को दिखाया गया।जिला पदाधिकारी, एसडीएम और जिला न्यायधीश से पटना के न्यायधीश ने भूमि उपलब्ध हो जाए तो न्यायायलय और क्वार्टर बन सकता है। उन्होंने अनुमंडल पदाधिकारी को पूरी रिपोर्ट भेजने का निर्देश दिया।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR) Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

बच्चों के कल्याण एवं उत्थान के लिए पूरी संवेदनशीलता के साथ करें कार्य : जिलाधिकारी

- नियमित रूप से होटलों, ढ़ाबों, प्रतिष्ठानों, दुकानों, मोटर गैराजों आदि पर रखें नजर
- धावा दल को रखें एक्टिव और नियमित रूप से कराएं छापेमारी

बीएनएम। बेतिया

जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय की अध्यक्षता में शुक्रवार को समाहरणालय सभाकक्ष में बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) हेतु गठित जिला टास्क फोर्स तथा जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक सम्पन्न हुयी। बैठक में एजेंडावार विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा हुई। जिसमें धावादल निरीक्षण, विमुक्त बाल श्रमिक, सीएलटीएस में इंट्री, विमुक्त बाल श्रमिकों का सीएमआरएफ, विमुक्त बाल श्रमिकों को तत्काल सहायता, एफडी पूर्ण होने पर भुगतान, नन-कैश कम्पोनेंट, भौतिक सत्यापन सहित अन्य विषय शामिल हैं। इस अवसर पर जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय ने कहा कि बच्चों के कल्याण एवं उत्थान के लिए पूरी संवेदनशीलता के साथ समन्वय स्थापित कर कार्य करें। नियमित रूप से होटलों, ढ़ाबों, प्रतिष्ठानों, दुकानों, मोटर गैराजों आदि पर नजर रखी जाय। धावा दल को एक्टिव रखा जाय और नियमित रूप से छापेमारी कराना सुनिश्चित किया जाय। उन्होंने कहा कि विमुक्त हुए बच्चों एवं किशोरों को सरकार द्वारा देय सुविधाएं ससमय दिलाना सुनिश्चित किया जाय। विमुक्त हुए बच्चों को सरकारी योजनाओं से लाभान्वित करने हेतु तत्परता दिखायी जाय। ऐसे बच्चों की लगातार मॉनिटरिंग कराएं कि कहीं वह फिर से दूसरे जगह तो श्रम नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विमुक्त बच्चों/किशोरों को सामाजिक मुख्यधारा में लाने हेतु कारगर कार्रवाई करने की आवश्यकता है। संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर इस दिशा में बेहतर तरीके से कार्य करें ताकि विमुक्त बच्चों/किशोरों का भविष्य बेहतर हो सके। बच्चों का शोषण करने वालों के विरूद्ध नियमानुकूल सख्त कार्रवाई की जाय। उन्होंने निर्देश दिया कि विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। आमलोगों को जागरूक करने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार कराएं ताकि कोई भी व्यक्ति बाल अथवा किशोर श्रम नहीं कराएं। जिलाधिकारी द्वारा श्रम अधीक्षक तथा श्रम प्रवर्तन पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि जिलास्तर, अनुमंडलस्तर, प्रखंडस्तर तथा ग्राम पंचायत स्तर के विभिन्न बैठकों में विभाग द्वारा किये जा रहे कार्यों से अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों को अवगत कराएं। उन्हें बताएं कि बाल/किशोर श्रम करते हुए कोई पाया जाता है तो इसकी सूचना तुरंत दें, उनके विरूद्ध कार्रवाई की जायेगी। जिलास्तरीय टास्क फोर्स की बैठक में माननीया मेयर, नगर निगम, बेतिया, नगर आयुक्त, नगर निगम, बेतिया, अनुमंडल पदाधिकारी, नरकटियागंज सहित अन्य सदस्यों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये तथा महत्वपूर्ण सुझाव दिये। श्रम अधीक्षक, पश्चिम चम्पारण द्वारा बताया गया कि बाल श्रमिकों के विमुक्तिकरण के लिए विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। बाल/किशोर श्रमिकों के विमुक्तिकरण के साथ ही उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य तथा उनके माता-पिता को विभिन्न लाभकारी योजनाओं से लाभान्वित भी कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जनवरी 2024 से जून 2024 तक धावा दल द्वारा कुल-46 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया है। इस दौरान 22 बाल श्रमिकों को विमुक्त कराया गया है। सीएलटीएस में 22 इंट्री की जा चुकी है। 03 विमुक्त बाल श्रमिकों को सीएमआरएफ से लाभान्वित किया गया है। 10 विमुक्त बाल श्रमिकों को तत्काल सहायता पहुंचायी गयी है। वहीं एफडी पूर्ण होने पर कुल-13 बच्चों को भुगतान किया जा चुका है। इस अवसर पर मेयर, नगर निगम, बेतिया, श्रीमती गरिमा देवी सिकारिया सहित अन्य माननीय जनप्रतिनिधिगण, नगर आयुक्त, नगर निगम, बेतिया, श्री शंभु कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी, नरकटियागंज, श्री सूर्य प्रकाश गुप्ता, श्रम अधीक्षक, पश्चिम चम्पारण, श्री विरेन्द्र कुमार महतो, विशेष कार्य पदाधिकारी, जिला गोपनीय शाखा, श्री सुजीत कुमार, डीपीओ, आइसीडीएस, श्रीमती कविता रानी सहित अन्य सदस्यगण उपस्थित थे। कुमार राय की अध्यक्षता में आज समाहरणालय सभाकक्ष में बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) हेतु गठित जिला टास्क फोर्स तथा जिला बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठक सम्पन्न हुयी। बैठक में एजेंडावार विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा हुई। जिसमें

धावादल निरीक्षण, विमुक्त बाल श्रमिक, सीएलटीएस में इंट्री, विमुक्त बाल श्रमिकों का सीएमआरएफ, विमुक्त बाल श्रमिकों को तत्काल सहायता, एफडी पूर्ण होने पर भुगतान, नन-कैश कम्पोनेंट, भौतिक सत्यापन सहित अन्य विषय शामिल हैं। इस अवसर पर जिलाधिकारी, श्री दिनेश कुमार राय ने कहा कि बच्चों के कल्याण एवं उत्थान के लिए पूरी संवेदनशीलता के साथ समन्वय स्थापित कर कार्य करें। नियमित रूप से होटलों, ढ़ाबों, प्रतिष्ठानों, दुकानों, मोटर गैराजों आदि पर नजर रखी जाय। धावा दल को एक्टिव रखा जाय और नियमित रूप से छापेमारी कराना सुनिश्चित किया जाय। उन्होंने कहा कि विमुक्त हुए बच्चों एवं किशोरों को सरकार द्वारा देय सुविधाएं ससमय दिलाना सुनिश्चित किया जाय। विमुक्त हुए बच्चों को सरकारी योजनाओं से लाभान्वित करने हेतु तत्परता दिखायी जाय। ऐसे बच्चों की लगातार मॉनिटरिंग कराएं कि कहीं वह फिर से दूसरे जगह तो श्रम नहीं कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि विमुक्त बच्चों/किशोरों को सामाजिक मुख्यधारा में लाने हेतु कारगर कार्रवाई करने की आवश्यकता है। संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर इस दिशा में बेहतर तरीके से कार्य करें ताकि विमुक्त बच्चों/किशोरों का भविष्य बेहतर हो सके। बच्चों का शोषण करने वालों के विरूद्ध नियमानुकूल सख्त कार्रवाई की जाय। उन्होंने निर्देश दिया कि विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। आमलोगों को जागरूक करने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार कराएं ताकि कोई भी व्यक्ति बाल अथवा किशोर श्रम नहीं कराएं। जिलाधिकारी द्वारा श्रम अधीक्षक तथा श्रम प्रवर्तन पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि जिलास्तर, अनुमंडलस्तर, प्रखंडस्तर तथा ग्राम पंचायत स्तर के विभिन्न बैठकों में विभाग द्वारा किये जा रहे कार्यों से अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों को अवगत कराएं। उन्हें बताएं कि बाल/किशोर श्रम करते हुए कोई पाया जाता है तो इसकी सूचना तुरंत दें, उनके विरूद्ध कार्रवाई की जायेगी। जिलास्तरीय टास्क फोर्स की बैठक में माननीया मेयर, नगर निगम, बेतिया, नगर आयुक्त, नगर निगम, बेतिया, अनुमंडल पदाधिकारी, नरकटियागंज सहित अन्य सदस्यों ने अपने-अपने विचार व्यक्त किये तथा महत्वपूर्ण सुझाव दिये। श्रम अधीक्षक, पश्चिम चम्पारण द्वारा बताया गया कि बाल श्रमिकों के विमुक्तिकरण के लिए विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। बाल/किशोर श्रमिकों के विमुक्तिकरण के साथ ही उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य तथा उनके माता-पिता को विभिन्न लाभकारी योजनाओं से लाभान्वित भी कराया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जनवरी 2024 से जून 2024 तक धावा दल द्वारा कुल-46 प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया है। इस दौरान 22 बाल श्रमिकों को विमुक्त कराया गया है। सीएलटीएस में 22 इंट्री की जा चुकी है। 03 विमुक्त बाल श्रमिकों को सीएमआरएफ से लाभान्वित किया गया है। 10 विमुक्त बाल श्रमिकों को तत्काल सहायता पहुंचायी गयी है। वहीं एफडी पूर्ण होने पर कुल-13 बच्चों को भुगतान किया जा चुका है। इस अवसर पर मेयर नगर निगम गरिमा देवी सिकारिया सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, नगर आयुक्त नगर निगम बेतिया शंभु कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी, नरकटियागंज सूर्य प्रकाश गुप्ता, श्रम अधीक्षक, पश्चिम चम्पारण विरेन्द्र कुमार महतो, विशेष कार्य पदाधिकारी, जिला गोपनीय शाखा सुजीत कुमार डीपीओ आइसीडीएस कविता रानी सहित अन्य सदस्यगण उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

वाल्मीकिनगर में बाइक चोर सक्रिय एसबीआई बैंक के सामने से बाइक हुई चोरी

बीएनएम। बगहा। वाल्मीकिनगर में इनदिनों बाइक व साइकिल की चोरी की घटना बढ़ गई है।कहीं से साइकिल की चोरी की घटना सामने आ रही है तो कही से मोटरसाइकिल चोरी की घटना सामने आ रही है। शुक्रवार के दिन वाल्मीकिनगर स्थित एसबीआई बैंक के गेट पर वाल्मीकिनगर पंचायत के बीडीसी हवाई अड्डा निवासी प्रदीप कुमार की बाइक चोरी हो गई।बीडीसी प्रदीप कुमार ने बताया कि बैंक में कुछ कार्य से गया था।करीब 2 से 3 बजे के बीच जब में बैंक से कार्य निपटाकर बाहर आया तो मेरी अपाची बाइक जो लाल कलर का है, जिसका नम्बर बीआर 22 ए जेड 1978 है जगह से नदारत देखा। काफी खोजबीन की पर कुछ पता नहीं चला। इसकी सूचना स्थानीय थाना को देने जा रहा हुँ। बतादूँ की इस तरह की घटना पूर्व में भी देखी गई है।

इंडो नेपाल सीमावर्ती बाढ़ग्रस्त इलाको के प्रभावित लोगों के बीच एसएसबी ने खाद्य सामग्री का वितरण किया गया

बीएनएम। बगहा। इंडो नेपाल सीमा पर स्थित एसएसबी 21वीं बटालियन द्वारा बाढ़ ग्रस्त इलाको में जरूरतमंद लोगों के बीच खाद्य सामग्री में पौष्टिक आहार बांटा गया। दरअसल पिछले दिनों इलाके में आई बाढ़ के बाद 21वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल,बगहा के कार्यवाहक कमांडेंट अश्वनी कुमार के निर्देशन में बाह्य सीमा चौकी चकदहवा में कैंप लगाकर बाढ़ ग्रस्त इलाको के ग्रामीणों को पौष्टिक आहार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।बतादें,नारायणी गंडक नदी के बाढ़ से ग्रसित गांव चकदहवा, झंडूटोला,बीन टोला,कानी टोला के सैकड़ों परिवार प्रति वर्ष बाढ़ से प्रभावित होते हैं,जिनके कारण अनेकों बीमारियों के उत्पन्न होने का खतरा बना रहता है।संभावित बीमारियों से बचाने के लिए विशेषकर बच्चो औऱ बुजुर्गो की बीमारियों से लड़ने की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने हेतु ग्रामीणों को 21वीं वाहिनी एसएसबी के द्वारा पौष्टिक आहार का वितरण किया गया।इस पौष्टिक आहार वितरण कार्यक्रम में लगभग 150 परिवार के सदस्य उपस्थित हुए । बताते चलें की एसएसबी सीमा पर सरहद की सुरक्षा के साथ साथ बंधुत्व क़ो लेकर अपना फ़र्ज़ निभा रही है,इसी कड़ी में 21वीं वाहिनी एसएसबी के उप कमांडेंट एम.टी. मेरेन द्वारा सभी परिवार को 10-10 पैकेट पौष्टिक आहार का निःशुल्क वितरण किया गया। इस दौरान सभी ग्रामीणों को बताया गया कि प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी 21वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल बगहा के समन्वयन से बाढ़ ग्रस्त गांव के ग्राम वासियों को पौष्टिक आहार वितरण किया गया। वितरण के दौरान उपस्थित ग्रामीणों को नशा मुक्त भारत अभियान के बारे में जागरूक किया गया । नशे से होने वाली पारिवारिक समस्याओं पर ध्यान केंद्रित किया गया,सभी ग्राम वासियों को नशे से होने वाली हानियों के बारे में अवगत कराया गया,साथ ही साथ बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ के मुहीम पर भी ग्रामीणों को जागरूक किया जा रहा है । सबसे बड़ी बात है की एसएसबी के द्वारा सभी ग्राम वासियों से आग्रह किया गया की बेटियों को पढ़ायें क्योंकि बेटियां अनमोल हैं।बेटी-बेटा में कभी भी कोई भेदभाव ना करें । एसएसबी की इस पहल से बाढ़ प्रभावित सीमाई इलाके के लोगों में ख़ुशी का माहौल है।

उपप्रमुख पर अविश्वास प्रस्ताव को लेकर दिया आवेदन

बीएनएम। केसरिया। प्रखण्ड उपप्रमुख मधु सिंह पर पंचायत समिति सदस्यों ने अविश्वास प्रस्ताव लगाने को लेकर आवेदन दिया है। इस आशय की प्रति प्रखण्ड प्रमुख एवं कार्यपालक पदाधिकारी (पं स) सह बीडीओ को देकर विशेष बैठक बुलाने की मांग की गई है। अमलेश कुमार, रमेश हाजरा, दुष्यंत कुमार, मो फिरोज, धर्मेंद्र राय सहित 14 पंसस ने उपप्रमुख पर बैठक में नहीं आने, पंसस को मान सम्मान नहीं देने व विकासात्मक कार्यों में रुचि नहीं रखने सहित अन्य आरोप लगाते हुए अविश्वास प्रस्ताव लगाने की बात कही है। इधर, बीडीओ मनीष कुमार सिंह ने कहा कि अविश्वास प्रस्ताव से संबंधित आवेदन मिला है। इस संबंध में अग्रतर कार्रवाई की जा रही है। ज्ञात हो कि 17 पंचायत वाले केसरिया प्रखण्ड में कुल 21 पंचायत समिति सदस्य हैं।

जनता दरबार कार्यक्रम में शामिल हुए जिलाधिकारी

- जिलाधिकारी ने समस्याओं के समाधान हेतु अधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश
- कई मामलों का हुआ ऑन-द-स्पॉट समाधान

बीएनएम। बेतिया

जिलाधिकारी कार्यालय प्रकोष्ठ में शुक्रवार को जनता दरबार का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी, श्री दिनेश कुमार राय ने लोगों की समस्याओं एवं शिकायतों को बारी-बारी से सुना। जनता दरबार में कई समस्याओं एवं शिकायतों का ऑन-द-स्पॉट समाधान कराया गया। साथ ही कई मामलों में संबंधित प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों को फोन कर समस्याओं का समाधान करने के लिए शीघ्र समुचित कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी के जनता दरबार में कुल-75 मामले आए। जिन मामलों का समाधान आज नहीं हो सका, उसे संबंधित विभाग/अधिकारियों को भेजते हुए त्वरित गति से नियमानुकूल समाधान कराने हेतु निर्देशित किया गया। शुक्रवार को जनता दरबार में जिन लोगों द्वारा अपनी समस्याओं से जिलाधिकारी को अवगत कराया गया उनमें रम्भा देवी, उषा देवी, शमशीदा बेगम, कन्हैया लाल, कृष्णमोहन मिश्र, दिनेश कुमार, सुरेश कुमार दास, मनमती देवी, बृजवंशी महतो, सुधा कुमारी, प्रदीप राम, मु0 हेवंती आदि के नाम शामिल हैं। इस अवसर पर अपर समाहर्ता राजीव कुमार सिंह, अपर समाहर्ता विभागीय जांच कुमार रविन्द्र, अपर समाहर्ता-सह-जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी अनिल कुमार सिन्हा, अपर समाहर्त्ता, आपदा प्रबंधन रामानुज प्रसाद सिंह, अनुमंडल पदाधिकारी, बेतिया सदर विनोद कुमार, जिला भू अर्जन पदाधिकारी अमरेंद्र कुमार, वरीय उप समाहर्ता विपिन कुमार यादव, विशेष कार्य पदाधिकारी, जिला गोपनीय शाखा सुजीत कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

राशनकार्ड लाभुकों को आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए प्रेरित करें : बीडीओ

बीएनएम। केसरिया

प्रखंड कार्यालय में शुक्रवार को बीडीओ मनीष कुमार सिंह की अध्यक्षता में आयुष्मान कार्ड निर्माण कार्य प्रगति की समीक्षा को लेकर बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में प्रखण्ड स्तरीय विभिन्न विभागों के पदाधिकारी व संबंधित सीएससी संचालक शामिल हुए। समीक्षा के क्रम में पाया गया कि प्रखण्ड क्षेत्र में इस कार्ड को बनाने की गति काफी धीमी है। जिसे तेज कर निर्धारित लक्ष्य को पूरा करने को लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया। इस दौरान बीडीओ ने कहा कि 31जुलाई तक आयुष्मान कार्ड बनना है। इसके लिए प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न पंचायतों में कैम्प आयोजित किया जा रहा है। जहाँ मौजूद कार्यपालक सहायक द्वारा निःशुल्क आयुष्मान कार्ड बनाया जा रहा है। बीडीओ ने कहा कि इस कार्य को गति देने की जरूरत है ताकि निर्धारित समय तक हर हाल में लक्ष्य पूरा किया जा सके। उन्होंने मौजूद पदाधिकारियों से कहा कि क्षेत्र में भ्रमण कर राशनकार्ड लाभुकों को आयुष्मान कार्ड बनवाने के लिए प्रेरित करें। ऐसे लाभुकों को कैम्प में भेजें। जहाँ निःशुल्क इस कार्ड को बनाया जा रहा है। बैठक में बीएओ राजेश कुमार, बीईओ विनय कुमार तिवारी, पिरामल के प्रतिनिधि धीरेन्द्र प्रसाद, बीपीआरओ खुशबू कुमारी समेत कई उपस्थित थे।

तुरकौलिया चौक पर जायका कैफे नामक रेस्टोरेंट का हुआ उद्घाटन

पूर्व मुखिया सह एबी हास्पिटल की डायरेक्टर बेबी आलम व जिला पार्षद प्रतिनिधि हेमंत किशोर वर्मा ने फीटा काटकर किया उद्घाटन

बीएनएम। तुरकौलिया

स्थानीय तुरकौलिया चौक पर जायका कैफे नामक रेस्टोरेंट का उद्घाटन तुरकौलिया पूर्वी पंचायत के पूर्व मुखिया सह एबी हास्पिटल की डायरेक्टर बेबी आलम व जिला पार्षद प्रतिनिधि हेमंत किशोर वर्मा ने फीटा काटकर किया। उद्घाटन के दौरान पूर्व मुखिया बेबी आलम ने कहा कि तुरकौलिया में सभी तरह का बिजनेस था। लेकिन एक फैमिली रेस्टोरेंट की कमी था। जहां लोग अपने परिवार के साथ जा सके। फैमिली रेस्टोरेंट खुलने से अब लोगों को अपना जन्मदिन सेलिब्रेट करने या अन्य तरह के आयोजन करने के लिए शहर जाने की जरूरत नही पड़ेगी। अब यही पर किसी भी अवसर पर हर तरह का आयोजन कर सकते हैं। इससे अब लोगों को काफी सुविधा होगी। शहर नही जाना पड़ेगा तो समय और पैसे की बचत भी होगी। तुरकौलिया में एक रेस्टोरेंट की कमी थी। जायका रेस्टोरेंट खुलने से अब यह भी कमी दूर हो गई है। रेस्टोरेंट का प्रोपराइटर जोसीम अकरम ने बताया कि तुरकौलिया में सभी तरह का व्यवसाय था। लेकिन रेस्टोरेंट नही था। इसीलिए रेस्टोरेंट खोला गया है। जिससे यहां के लोगों को रेस्टोरेंट के लिए मोतिहारी या दुसरे शहर नही जाना पड़ेगा। मौके पर मुखिया अशरफ आलम, आफताब आलम,उप सरपंच अजमल कमाल, जमील अख्तर, अजय सहनी, मुमताज आलम, फारूक आजम, शाहबाज आलम, आरिफ आलम, हैदर सलमान, एमडी नेहाल आलम आदि मौजूद थे।

कारगिल युद्ध शौर्य,पराक्रम और साहस से जीत सुनिश्चित की भारतीय सेना: अभिषेक यादव

बीएनएम। बेतिया

कारगिल विजय दिवस की पूर्व संध्या पर भारतीय जनता युवा मोर्चा के द्वारा बेतिया नगर के महाराजा पुस्तकालय के सभागार में रिटायर सैनिकों को सम्मानित किया गया साथ ही जिलाध्यक्ष अभिषेक यादव के नेतृत्व में कारगिल विजय मशाल जुलूस निकाला गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कल्याणपुर के पूर्व विधायक सचिन्द्र प्रसाद सिंह ने कहा कि आज हम कारगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ मना रहे हैं।कारगिल युद्ध में विकट परिस्थितियों का सामना करते हमारे बहादुर सैनिकों ने दुश्मन के दांत खट्टे कर विश्व विजयी तिरंगा झंडा लहरा कर देश का गौरव बढ़ाया।भाजपा जिलाध्यक्ष रूपक श्रीवास्तव ने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने देश की सैन्य शक्ति को मजबूत करने का सपना देखा था,उस सपने को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी साकार कर रहे हैं।सेना को अत्याधुनिक हथियार व संसाधन मुहैया करा कर सैन्य शक्ति को मजबूत किया जा रहा है।सेना के बल पर ही हम भारतवासी अपने आप को गौरवान्वित और सुरक्षित महसूस कर रहे हैं।कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष अभिषेक यादव ने कहा कि कारगिल युद्ध के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों ने जिस शौर्य,पराक्रम और साहस से जीत सुनिश्चित की इस भावना से प्रेरित होकर वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि देने के लिए यह कार्यक्रम आयोजित की गई है।यह ऐतिहासिक कार्यक्रम युवाओं में बौद्धिक विकास और जिज्ञासा की भावना जागृत करने के लिए सेवा की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।इसका उद्देश्य भविष्य के अग्रणी व्यक्तित्व का निर्माण करना है।साथ ही इस अवसर पर सैनिक प्रकोष्ठ के संयोजक हरीश चंद्र राव जी के नेतृत्व में सैकड़ों रिटायर सैनिक कार्यक्रम में भाग लिए व सभी को भाजयुमो द्वारा सम्मानित किया गया। मौके पर भाजपा के जिला महामंत्री मुन्ना तिवारी, उपाध्यक्ष मनोज सिंह,प्रवक्ता सममृद्ध वर्मा, क्षेत्रीय प्रभारी प्रवीण श्रीवास्तव व राहुल कुमार, अविनाश कश्यप व किशन श्रीवास्तव, दिलीप कुशवाहा, लवकुश कुशवाहा, भाष्कर भारद्वाज, आकाश श्रीवास्तव, आशीष कुशवाहा, रवि किशन सहित सैकड़ों युवा उपस्थित रहे।

सत्ता-संपदा का उन्माद

मनुष्य विचारशील प्राणी है, विवेकशील प्राणी है। उसके पास बुद्धि है, शक्ति है। वह अपनी बुद्धि का उपयोग करता है, चिंतन के हर कोण पर रुकता है, विवेक को जगाता है, शक्ति का नियोजन करता है और संसार के अन्य प्राणियों से बेहतर जीवन जीता है। जीने के लिए वह अनेक प्रकार की सुविधाओं को जुटाता है। सत्ता और संपदा ये तो ऐसे तत्व हैं, जिनका आकर्षण अधिकांश लोगों को बना रहता है। सत्ता के मूल में सेवा की भावना है और संपदा के मूल में जीवनयापन की। न सत्ता के बल पर कोई व्यक्ति बड़ा बनता है और न संपदा ही किसी को शिखर पर बिठा सकती है। जो लोग सेवा की पवित्र भावना से सत्ता के गलियारे में पांव रखते हैं और जीवनयापन के साधन के रूप में अर्थ का उपयोग करते हैं, वे सत्ता और संपदा प्राप्त करके भी कुछ अतिरिक्त अनुभव नहीं करते। सहज सादगीमय जीवन जीते हुए वे सत्ता और संपदा के द्वारा हितकारी प्रवृत्तियों में संलग्न हो जाते हैं। कुछ लोगों की अवधारणा है कि व्यक्ति का अस्तित्व और व्यक्तित्व सत्ता और संपदा पर ही निर्भर है। इसलिए वे जैसे-तैसे इन्हें हथियाने का प्रयास करते हैं और ये हस्तगत हो जाएं तो इनका उचित-अनुचित लाभ भी उठा लेते हैं। ऐसे लोगों में न तो सेवा की भावना होती है और न ही वे उपयोगितावादी दृष्टि से अर्थ का अंकन करते हैं। इनके द्वारा अहंकार बढ़ता है और वे स्वयं को आम आदमी से बहुत बड़ा मानने लगते हैं। यहीं से एक भेद-रेखा बनने लगती है, जो सत्ताधीश और संपत्तिशाली को दूसरे नजरिए से देखने का धरातल तैयार करती है। जिस व्यक्ति के पास सत्ता हो और संपदा हो, फिर भी उन्माद न हो; बहुत कठिन बात है। इन दोनों में से एक पर अधिकार पाने वाला व्यक्ति भी मूढ़ हो सकता है। जहां दोनों का योग हो जाए, वहां मूढ़ता न आए, यह तो संभव ही नहीं है। इस बात को सब लोग जानते हैं, फिर भी सत्ता और संपदा पाने की आकांक्षा का संवरण नहीं होता। जिनकी आकांक्षा पूरी हो जाती है, वे सौभाग्य से ही मूढ़ता से बच पाते हैं। किंतु जिनकी आकांक्षा पूरी नहीं होती, वे एक दूसरे प्रकार के उन्माद का शिकार हो जाते हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर आए न्यायालयीन दिशा-निर्देश सबक हैं सभी सरकारों के लिए

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

केंद्र की भाजपा नीत एनडीए की मोदी सरकार ने अपने एक आदेश के माध्यम से शासकीय सेवा में कार्यरत कर्मचारियों को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की गतिविधियों में शामिल होने पर लगी रोक को हटाने का जो काम किया है, अब न्यायालय ने भी उसके इस कार्य पर अपनी मुहर लगा दी है। न्यायालय ने कोर्ट में प्रस्तुत सभी तथ्यों के आधार पर माना है कि यह रा.स्व. संघ पर लगाया गया बैन तत्कालीन सरकार ने बिना किसी उचित कारण के लगाया था। किंतु इसके साथ ही न्यायालय की ओर से जो टिप्पणियां की गई हैं, वे आज बहुत महत्व रखती हैं । ये सभी टिप्पणियां हर उस सरकार के लिए महत्व रखती हैं जोकि इस तरह से असंवैधानिक नियम और बिना किसी जांच के सिर्फ अपनी जिद या अहंकार की पूर्ति करते हुए समय-समय पर देखी जाती रही हैं। आगे इस तरह की जिद की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए यह निर्णय बहुत महत्वपूर्ण हो गया है। वस्तुतः मप्र उच्च न्यायालय में यह याचिका केंद्र सरकार के सेवानिवृत्त अधिकारी पुरुषोत्तम गुप्ता ने वर्ष 2023 में दायर की थी, जिसमें उन्होंने मांग की थी कि वे राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा की जाने वाली सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक गतिविधियों से प्रभावित होकर एक सक्रिय सदस्य के रूप में संघ में शामिल होना चाहते हैं, किंतु वे ऐसा इसलिए नहीं कर पा रहे हैं, क्योंकि रास्वसंघ को प्रतिबंधात्मक संगठन की सूची में डालकर रखा गया है। जबकि संघ गैर राजनीतिक संगठन है और हर भारतवासी को अन्य संगठनों की तरह इसकी गतिविधियों में शामिल होने का अधिकार है। संगठन अपने जीवन काल से ही देश सेवा के कार्य में जुटा हुआ है। जिसके बाद न्यायालय ने केंद्र सरकार से इस संबंध में पूछा और उसके परिणाम स्वरूप राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को प्रतिबंधात्मक सूची से बाहर कर दिया गया। किंतु क्या यह मामला एक खबर में सिमट जाना चाहिए? वास्तव में न्यायालय का संघ पर आया यह निर्णय एक समाचार से कहीं ज्यादा है, जिसकी गहराई को प्रत्येक भारतवासी को समझने की आवश्यकता है। न्यायाधीश सुश्रुत धर्माधिकारी एवं गजेन्द्र सिंह द्वारा 1966 में केंद्र सरकार के कर्मचारियों पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में प्रवेश लेने पर लगाए गए प्रतिबन्ध के आदेश को निरस्त करते हुए साफ कहा है कि आरएसएस जैसी गैर सरकारी संस्थाओं पर पड़ने वाले इसके व्यापक प्रभाव को देखते हुए न्यायालय को यह उचित लगता है कि इस विषय पर अपनी टिप्पणियां दी जाएं। ये टिप्पणियां इसलिए भी आवश्यक हो जाती हैं जिससे

कि आने वाले समय में कोई सरकार अपनी सनक और मौज के चलते राष्ट्रीय हितों में कार्यरत किसी स्वयंसेवी संस्था को सूली पर न चढ़ा दे, जैसा कि गत पांच दशकों से आरएसएस के साथ होता आया है। केंद्र सरकार द्वारा 1966, 1970 और 1980 के आदेशों के माध्यम से केंद्र सरकार के कर्मचारियों पर आरएसएस ने प्रवेश को यह बताते हुए प्रतिबंधित कर दिया था कि आरएसएस एक धर्मनिरपेक्षता विरोधी और सांप्रदायिक संगठन है। अब प्रश्न यह उठता है कि आरएसएस को किस सर्वेक्षण या अध्ययन के आधार पर सांप्रदायिक और धर्मनिरपेक्षता विरोधी घोषित किया गया था? किस आधार पर सरकार इस नतीजे पर पहुंची थी कि सरकार के किसी कर्मचारी के, सेवानिवृत्ति के पश्चात भी, संघ परिवार की किसी गतिविधि में भाग लेने से समाज में सांप्रदायिकता का संदेश जाएगा? न्यायालय को, बारंबार पूछे जाने के बावजूद, इन प्रश्नों के कोई उत्तर प्राप्त नहीं हो सके। ऐसी दशा में न्यायालय यह मानने के लिए बाध्य है कि ऐसा कोई सर्वेक्षण, अध्ययन, सामग्री या विवरण है ही नहीं जिसके आधार पर केंद्र सरकार यह दावा कर सके कि उसके कर्मचारियों के आरएसएस जो कि एक अराजनीतिक संगठन है कि गतिविधियों से जुड़ने पर प्रतिबंध आवश्यक है। जिससे कि देश का धर्मनिरपेक्ष तानाबाना और सांप्रदायिक सौहार्द अक्षुण्ण बना रहे। इस मामले की सुनवाई के दौरान अलग-अलग तारीखों पर हमने पांच बार यह पूछा कि किस आधार पर केंद्र के लाखों कर्मचारियों को पांच दशकों तक अपनी स्वतंत्रता से वंचित रखा गया था? इसके साथ ही यहां कोर्ट ने यह भी माना है कि यदि याचिकाकर्ता द्वारा यह याचिका प्रस्तुत नहीं की जाती, तो ये प्रतिबंध आगे भी जारी रहते जो कि संविधान के अनुच्छेद 19 (1) का खुला अपमान होता। वस्तुतः उपरोक्त आधारों पर न्यायालय के सामने तीन प्रश्न खड़े होते हैं। एक-क्या केंद्र सरकार के कर्मचारियों पर आरएसएस में प्रवेश पर प्रतिबंध किसी ठोस आधार पर लगाया गया था या सिर्फ एक संगठन, जो कि तत्कालीन सरकार की विचारधारा से सहमत नहीं था को कुचलने के लगाया गया था? दो- क्या आरएसएस को इस प्रतिबंधित संगठनों की सूची में बनाए रखने के लिए समय-समय पर कोई समीक्षा की गई थी? यह एक प्रतिष्ठित कानूनी परम्परा है कि कोई भी प्रतिबन्ध अनन्त काल तक जारी नहीं रह सकता और यह कि समय-समय पर ऐसे प्रतिबंध की, बदलते समय और संविधान की व्याख्याओं के तहत सतत विस्तृत हो रही स्वतंत्रता के आधार पर समीक्षा होनी चाहिए। तीन-यदि उपरोक्त प्रश्नों के उत्तर सहमति में हैं तो यह प्रश्न भी खड़ा होता है कि केंद्र सरकार द्वारा अचानक किस आधार पर आरएसएस को प्रतिबंध की सूची से हटा लिया है? यहां न्यायालय कहता है कि यदि आरएसएस का नाम प्रतिबंधित सूची से सोच समझ कर हटाया जा रहा है तो न्यायालय यह अपेक्षा रखता है कि यदि भविष्य में कभी पुनः आरएसएस एवं उसके अनुषांगिक संगठनों को प्रतिबंधित सूची में जोड़ने का प्रस्ताव लाया गया तो उसके पीछे गहन अध्ययन, ठोस सामग्री, मजबूत आंकड़े, उच्चतम अधिकारियों के स्तर पर गंभीर चिंतन तथा बाध्यकारी सबूतों का आधार होना चाहिए। अन्यथा ऐसा प्रतिबंध भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14 एवं 19 का अपमान ही कहलायेगा। तथा ऐसा प्रतिबंध निश्चित ही संवैधानिक चुनौती के लिए खुला रहेगा। सरकार द्वारा आरएसएस को धर्म निरपेक्षता विरोधी, सांप्रदायिक और राष्ट्र हित विरोधी बताते हुए लगाया गया प्रतिबंध न सिर्फ संघ के लिए हानिकारक है, परन्तु प्रत्येक उस व्यक्ति के लिए भी हानिकारक है जो संघ से जुड़ कर राष्ट्र और समाज की सेवा करना चाहता है। वास्तव में मौलिक स्वतंत्रता पर रोक लगाने वाला आदेश सदैव ही ठोस सबूतों और न्यायोचित आंकडों पर आधारित होना चाहिए। इसके साथ ही यहां अपने निर्णय में न्यायालय इसे भी दुखद माना है कि केंद्र सरकार को इस त्रुटि को दुरुस्त करने में पांच दशक लग गए। साथ ही यह कि रा.स्व.संघ. जैसा विश्व प्रसिद्ध संगठन बेवजह प्रतिबंधित सूची में दर्ज रहा और उसे उस सूची से बाहर निकलना अवश्यंभावी हो गया था । इंदौर न्यायालय को यहां गृह मंत्रालय को आदेश देते हुए भी देखा गया जिसमें उसने साफ शब्दों में बता दिया है कि आरएसएस को प्रतिबंधित सूची से बाहर निकलने वाले परिपत्र को अपनी अधिकृत वेबसाइट के होम पेज पर प्रकाशित किया जाना चाहिए ताकि आम जनता को इस बारे में जानकारी मिल सके। कुल मिलाकर यह जो निर्णय आया है, उसने फिर एक बार स्पष्ट कर दिया है कि भले ही न्याय पाने और सत्य के मार्ग पर चलते हुए सफल होने में समय लगे, किंतु यदि आप इपने कर्तव्य के प्रति ईमानदार हैं, सही रास्ते पर हैं तो यह तय मानिए, देर से ही सही जो भी निर्णय आएगा, वह आपके ही पक्ष में आएगा। रा.स्व.संघ. जैसे अनुशासित, बिना किसी मत, पंथ और मजहब को देखे सभी की एक समान मदद देनेवाला गैर राजनीतिक संगठन है। कहना होगा कि देशभक्त संगठन पर इस तरह का अत्याचार करना संविधान की मूल अवधारणा एवं मौलिक अधिकारों का भी हनन है। आज से 58 साल पहले 1966 में असंवैधानिक आदेश जारी करते हुए सरकारी कर्मचारियों के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की गतिविधियों में भाग लेने पर प्रतिबंध लगाया गया था, जिसका कि कोई भी पुख्ता आधार कभी नहीं रहा। ऐसे में अब अच्छा है कि वर्तमान मोदी सरकार ने इस प्रतिबंध को पूरी तरह समाप्त कर दिया। क्योंकि जो आधार लेकर यह प्रतिबंध इंदिरा सरकार ने लगाया था, वह आधार ही अनुचित है। वस्तुतः इतिहास में इस बात का जिक्र है कि सात नवंबर, 1966 के दिन भारतीय संसद के बाहर हुए गोहत्या के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान इस आन्दोलन को कुचल देने के लिए इंदिरा गांधी इतनी आतुर दिखी थीं कि वह किसी भी हद तक जाने को तैयार थीं और ऐसा हुआ भी । दूसरी ओर इस पूरी घटना में देश भक्त स्वयंसेवकों को गो हत्या का पुरजोर विरोध करते हुए देखा गया था। इंदिरा सरकार ने इस मामले में पूरी तरह अपने पॉवर का गलत इस्तेमाल किया। विरोध प्रदर्शन में पुलिस ने निर्दोष लोगों पर गोलीबारी की थी, जिसमें कई लोग मारे भी गए। आन्दोलन सख्ती से कुचल दिया गया था। आगे अपनी व्यक्तिगत खुन्नस निकालने के लिए तत्कालीन सरकार ने शासकीय सेवारत स्वयंसेवकों पर शाखा लगाने एवं उसमें शामिल होने पर प्रतिबंध लगा दिया था, जिससे कि अब जाकर स्वयंसेवक शासकीय कर्मचारियों को एक साथ देश भर में मुक्ति मिल सकी है।

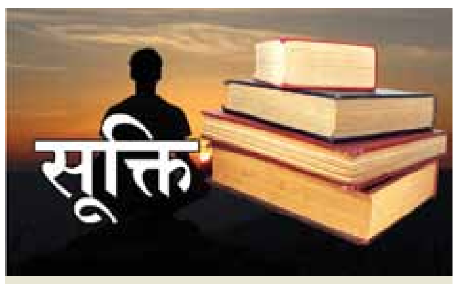

गरीबी दैवी अभिशाप नहीं बल्कि मानवरचित षडयत्र है।

- महात्मा गाँधी

बिना जोश के आज तक कोई भी महान कार्य नहीं हुआ।

- सुभाष चंद्र बोस

शुभ संवत 2081 शाके 1946, सौम्य गोष्ठ, श्रावण कृष्ण पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पश्चिमी तिथि सप्तमी, शनिवासरे, रेवती नक्षत्रे, सुकर्मा योगे, ववकरणे, मीन की चंद्रमा, भद्रा दिन 1/46 तक शीतला सप्तमी (उड़ीसा) पंचक समाप्ति सांय 3/30 तथापि उत्तर दिशा की यात्रा शुभ उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल.......

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, जिद्दी-हठी, योगी-भोगी, उत्तम वृत्ति वाला, शिक्षक, लेक्चरार, प्रोफेसर, प्रिंसपल, मठ-मंदिर निर्माणकर्ता, ट्रस्टी एवं धनीमानी विद्वान होगा।

मेष राशि - तनाव पूर्ण वातावरण से बचिये, स्त्री को शरीरिक कष्ट, मानसिक बेचैनी बनेगी।

वृष राशि - अधिकारियों के समर्थन से सुख होगा, कार्यगति विशेष अनुकूल बनेगी ध्यान दें।

मिथुन राशि - भोग-ऐश्वर्य प्राप्ति के बाद तनाव व कष्ट होगा, विवाद व तनाव से बचें।

कर्क राशि - अधिकारियों का समर्थन फलप्रद होगा, बिगड़े कार्य अवश्य ही बन जायेंगे।

सिंह राशि - परिश्रम सफल होगा, व्यवसायिक गति मंद होगी, आर्थिक योजना पूर्ण होगी।

कन्या राशि - कार्य व्यवसाय गति मंद होगी, आर्थिक योजना पूर्ण होगी, कार्य पर ध्यान अवश्य दें।

तुला राशि - किसी दुर्घटना से बचें, चोटादि का भय अवश्य रहेगा, कार्य उत्साह रहेगा।

वृश्चिक राशि - कार्यगति अनुकूल रहेगी, लाभांवित कार्य योजना बनेगी, कार्य बाधा मुक्त होगा।

धनु राशि - कुछ प्रतिष्ठा के साधन बनेंगे किन्तु हाथ में कुछ न लगे, कार्य अवरोध होगा।

मकर राशि - अधिकारी वर्ग से तनाव व क्लेश होगा, मानसिक अशांति, रुके कार्य बनेंगे।

कुंभ राशि - मनोयोग बनाये रखें, लाभ में कमी किन्तु नये कार्य समय पर बना लें, धैर्य रखें।

मीन राशि - दैनिक कार्यगति उत्तम, कुटुम्ब में सुख समय उत्तम बीतेगा, समय का ध्यान रखें।

प्रभात झा पत्रकारिता एवं राष्ट्रवादी सोच के पुरोधा-पुरुष

ललित गर्ग

पत्रकारिता के एक महान् पुरोधा पुरुष, मजबूत कलम एवं निर्भीक वैचारिक क्रांति के सूत्रधार, उत्कृष्ट राष्ट्रवादी, भाजपा के नेता और भाजपा मुखपत्र 'कमल' के मुख्य सम्पादक प्रभात झा अब हमारे बीच नहीं रहे। वे 67 वर्ष की उम्र में 26 जुलाई, 2024 को प्रातः 5 बजे गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में जिन्दगी एवं मौत के बीच जूझते हुए हार गये, आखिर मौत जीत गयी। एक संभावनाओं भरा हिन्दी पत्रकारिता, स्वच्छ राजनीति एवं राष्ट्रीय विचारों का सफर ठहर गया, उनका निधन न केवल पत्रकारिता के लिये, भारत की राष्ट्रवादी सोच के लिये बल्कि भारतीय जनता पार्टी की राष्ट्रवादी राजनीति पर एक गहरा आघात है, अपूरणीय क्षति है। प्रभात झा का जीवन सफर आदर्शों एवं मूल्यों की पत्रकारिता की ऊंची मीनार है। उनका निधन एक युग की समाप्ति है। प्रभात झा पत्रकार, लेखक स्तंभकार रहे हैं, वही उनका राजनीति जीवन भी प्रेरक रहा हैं। वे मध्य प्रदेश राज्य से राज्यसभा के सदस्य रह चुके हैं। वे 2010 से दिसंबर 2012 तक मध्य प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष रहे। यही वो दौर रहा जिसमें मध्यप्रदेश में भाजपा की जमीन गहरी हुई। वर्तमान में वे भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं। झा का जन्म 4 जून 1957 को हरिहरपुर, दरभंगा जिला, बिहार में हुआ था। उन्होंने अपनी स्कूली शिक्षा ग्वालियर, मध्य प्रदेश से की। यहां के पीजीवी कॉलेज से उन्होंने बीएससी, माधव कॉलेज से राजनीति शास्त्र में एमए और एमएलबी कॉलेज से एलएलबी की डिग्री ली। उनके करीबियों का कहना है कि वह शुरू से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा से खास जुड़ाव रखते थे। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत पत्रकारिता से की। स्वदेश अखबार में भी लंबे समय तक जुड़े रहे। झा की शादी रंजना झा से हुई है और उनके दो बेटे तुष्मुल और आयत्न हैं। मेरा सौभाग्य रहा कि मुझे प्रभात झा से मिलने के अनेक अवसर मिले, 85 नार्थ एवेन्यू में सुखी परिवार फाउण्डेशन के अस्थायी कार्यालय से सटा हुआ उनका आवास था। सुखी परिवार अभियान के प्रणेता आदिवासी संत गणि राजेन्द्रविजयजी के पास वे अक्सर आ जाते एवं उनसे लम्बी राष्ट्र-विकास एवं समाज-निर्माण की चर्चाएं होती रहती थी। राजधानी के कंस्टीट्यूशनल क्लब में सुखी परिवार फाउंडेशन द्वारा आयोजित 'दिव्य भारत के निर्माता मोदी' विषयक डॉ. अविनाश काटे द्वारा कैनवास पर ऐक्रेलिक रंगा से हस्तनिर्मित 75 भावचित्रों की प्रदर्शन एवं पुस्तक का उद्घाटन उन्होंने किया। इस कार्यक्रम का संयोजन मुझे करने का मौका मिला। वे सुखी परिवार फाउण्डेशन के कार्यक्रमों से अत्यंत प्रभावित थे और इसको आगे बढ़ाने एवं आदिवासी कल्याण के लिये सुझाव देते रहते थे। प्रभात झा जितने सफल जननायक थे उतने ही प्रखर लेखक थे। उन्हें निर्भीक विचारों, स्वतंत्र लेखनी और बेबाक राजनैतिक टिप्पणियों के लिये जाना जाता रहा है। उनको पढ़ने वाले लोगों की संख्या लाखों में है और अपने निर्भीक लेखन से वे काफी लोगों के चहेते थे। उन्होंने पत्रकारिता में उच्चतम मानक स्थापित किये। वे न केवल अपने वैचारिक आलेखों के जरिये राष्ट्र की ज्वलंत समस्याओं को सशक्त तरीके से प्रस्तुति देते रहे बल्कि गरीबों, अभावग्रस्तों, पीड़ितों और मजलूमों की आवाज बनते रहे। अपनी कलम के जरिये उन्होंने लोकतंत्र के चौथे स्तंभ को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी कलम जब भी चली उन्होंने लाखों लोगों की समस्याओं को सरकारों और प्रशासन के सामने रखा और भारतीय लोकतंत्र में लोगों की आस्था को और मजबूत बनाने में योगदान दिया। प्रभात झा को हम भारतीयता, पत्रकारिता एवं भारतीय राजनीति का अक्षयकोष कह सकते हैं, वे चित्रता में मित्रता के प्रतीक थे तो गहन मानवीय चेतना के चितेरे जुझारु, निडर, साहसिक एवं प्रखर व्यक्तित्व थे। वे एक ऐसे बहुआयामी व्यक्तित्व थे, जिन्हें पत्रकार जगत का एक यशस्वी योद्धा माना जाता है। उन्होंने आमजन के बीच, हर जगह अपनी काबिलियत का लोहा मनवाया। लाखों-लाखों की भीड़ में कोई-कोई प्रभात झा जैसा विलक्षण एवं प्रतिभाशाली व्यक्ति जीवन-विकास की प्रयोगशाला में विभिन्न प्रशिक्षणों-परीक्षणों से गुजर कर महानता का वरण करता है, विकास के उच्च शिखरों पर आरूढ़ होता है और अपनी मौलिक सोच, कर्मठता, कलम, जिजीविषा, पुरुषार्थ एवं राष्ट्र-भावना से समाज एवं राष्ट्र को अभिप्रेरित करता है। उन्होंने आदर्श एवं संतुलित समाज निर्माण के लिये कई नए अभिनव दृष्टिकोण, सामाजिक सोच और कई योजनाओं की शुरुआत की। देश और देशवासियों के लिये कुछ खास करने का जज्बा उनमें कूट-कूट कर भरा था। वे समाज के लिये पूरी तरह समर्पित थे।

किसान आन्दोलन की समाधान राहें बातचीत से ही खुलेगी

ललित गर्ग

मोदी सरकार 3.0 के पहले बजट में वित्त मंत्री ने सरकार की जिन 9 प्राथमिक्ताओं का जिक्र किया उसमें विकसित भारत लिये रोजगार, महंगाई नियंत्रण, कृषि, महिला-युवा विकास के साथ-साथ मध्यम वर्ग के लिये पहली बार सकारात्मक सोच सामने आयी है। बावजूद इसके विपक्षी दल किसी न किसी बहाने उसका विरोध करते हुए संसद में हंगामा बरपा रहे हैं। सभी क्षेत्रों के लिये न्यायसंगत एवं विकास योजनाओं के बावजूद विरोध होना अतिश्योक्तिपूर्ण है। विपक्षी दल इस आरोप के सहारे बजट का विरोध कर रहे हैं कि उसमें अन्य राज्यों के साथ भेदभाव किया गया है। इस विरोध का आधार बिहार और आंध्र प्रदेश की विभिन्न विकास योजनाओं के लिए विशेष घोषणाएं के साथ न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की वैधानिक गारंटी और अन्य मांगों को लेकर किसी तरह की घोषणा न करने के मुद्दे हैं। विपक्षी दल किसान आन्दोलन को उग्र करने के प्रयास करेंगे। ऐसा इसलिये भी लग रहा है कि बुधवार को ही नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से नई दिल्ली में मुलाकात करने के बाद किसान नेताओं ने साफ भी कर दिया है कि दिल्ली मार्च का उनका कार्यक्रम जारी रहेगा। संसद सत्र जारी है, ऐसे में किसान आंदोलन को लेकर प्रतिपक्ष सरकार पर हमलावर होगा, एक बार फिर किसान आन्दोलन के उग्र से उग्रतर होने की संभावनाएं हैं, जिससे आम जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने किसान-आन्दोलन से जुड़े मामले की सुनवाई करते हुए पंजाब-हरियाणा से सटे शंभू बॉर्डर पर यथास्थिति बनाए रखने का औचित्यपूर्ण आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी अहम है कि एक 'तटस्थ मध्यस्थ' की आवश्यकता है जो सरकार और किसानों के बीच विश्वास कायम कर सके। सुप्रीम कोर्ट ने इसके लिए स्वतंत्र विशेषज्ञों की एक कमेटी बनाने का प्रस्ताव भी दिया है। प्रश्न है कि कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दल न्यायालय के इस महत्वपूर्ण सुझाव को आकार देने की बजाय किसान-आन्दोलन को उग्र करने की मंशा रखते हुए अराजक माहौल ही क्यों बनाना चाहते है? क्यों अव्यवस्था फैलाने चाहते हैं? निश्चित ही शंभू बॉर्डर खोले जाने पर कानून-व्यवस्था को लेकर संकट की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। यह बात सही है कि शंभू बॉर्डर खोले जाने से

आंदोलनरत किसानों के दिल्ली कूच की राह खुल सकती है। आंदोलनरत किसान संगठन पहले ही ऐलान कर चुके हैं कि जब भी सीमाएं खुलेंगी, किसान ट्रैक्टर ट्रोलियों के साथ दिल्ली की ओर बढ़ेंगे। शीर्ष अदालत हरियाणा सरकार की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती दी गई है जिसमें उसे एक सप्ताह के भीतर अंबाला के पास शंभू सीमा पर बैरिकेड्स हटाने के लिए कहा गया था जहां किसान 13 फरवरी से डेरा डाले हुए हैं। केन्द्र सरकार एवं विपक्षी दलों को मिलकर इस विकट समस्या का समाधान निकालने के लिये कोई सार्थक प्रयास करने चाहिए। किसानों के भरोसे को जीतने की कोशिश होनी चाहिए। लेकिन नेशनल हाई-वे पर जेसीबी और बख्तरबंद ट्रैक्टर ट्रॉली की इजाजत तो इस समस्या का समाधान नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने विशेषज्ञों की समिति के जरिए बातचीत का जो प्रस्ताव दिया है उस पर सरकार की प्रतिक्रिया आनी बाकी है। लेकिन दोनों पक्षों को ही आंदोलन खत्म करने के लिए बातचीत के माध्यम से समाधान का रास्ता निकालने की पहल करनी होगी। किसान आंदोलन के उग्र रूप को भी यह देश देख चुका है, भारी नुकसान भी हुआ है। किसानों की समस्याएं अपनी जगह हैं और इनकी आड़ में होने वाली राजनीति अपनी जगह। वैसे भी स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशें लागू करने, न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी और कर्ज माफी जैसे मुद्दों पर समिति के गठन का प्रस्ताव केन्द्र सरकार पहले ही दे चुकी है। यह बड़ा सच है कि बात करने से ही बात बनती है। बातचीत की हर संभावना का स्वागत किया जाना चाहिए। किसी भी आंदोलन का लंबे वक्त तक जारी रहना सचमुच चिंताजनक है। ऐसे आन्दोलन को उग्र करने की विपक्षी दलों की मानसिकता भी संदेहों एवं अविश्वासों से घिरी है। अच्छा हो कि विपक्षी दल एवं नेता प्रचार पाने के लिए विरोध की बेतुकी रस्म निभाने के बजाय बजट में कृषि क्षेत्र के लिये किये गये बड़े ऐलानों पर गौर करें। सरकार ने एग्रीकल्चर सेक्टर के लिए कई बड़े ऐलान किए हैं। इनमें कृषि उत्पादकता को बढ़ाने और जलवायु परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए मौसम में बदलाव को बरदाश्त कर सकने वाली फसलों की प्रजातियों को विकसित करने पर जोर दिया गया है। इसके लिए एग्रीकल्चर रिसर्च के बजट को भी बढ़ाया गया है। विपक्षी पार्टियां लगातार किसानों एवं कृषि को लेकर सरकार को घेरने का प्रयास कर रही हैं। कोई न कोई बहाना चाहिए विरोध का, अब किसान-आन्दोलन के सहारे अपनी राजनीति चमकाने की जुगत में देश का कितना नुकसान होगा, कहा नहीं जा सकता। जबकि भाजपा सरकार द्वारा भारतीय अर्थ-व्यवस्था की वृद्धि और विकास में कृषि की भूमिका को ध्यान में रखते हुए, इस बजट में कृषि क्षेत्र पर अधिक ध्यान दिया गया है। कृषि में उत्पादकता, किसानों के हितों एवं कृषि की सुदृढ़ता को बढ़ाना बजट द्वारा निर्धारित शीर्ष प्राथमिकताओं में से एक है। उल्लेखनीय है कि बजट में जो नौ प्राथमिकताएं शामिल है, उनमें कृषि एवं संबंधित क्षेत्रों के लिए करीब 1.52 लाख करोड़ रुपये के आवंटन से खेती-किसानी की दशा-दिशा सुधरने की आस बढ़ी है। विभिन्न फसलों की प्रस्तावित 109 किस्मों से भी उत्पादकता में बढ़ोतरी की उम्मीद है। ये किस्में जलवायु परिवर्तन के चलते बढ़ रही प्रतिकूल मौसमी परिघटनाओं के विरुद्ध कवच का काम करेंगी। दलहन-तिलहन को प्राथमिकता, डिजिटल क्राप सर्वे के अतिरिक्त किसान उत्पादक संघों यानी एफपीओ एवं भंडारण और आपूर्ति श्रृंखला पर ध्यान देने जैसे उपाय उपज को पहुंचने वाले नुकसान को घटाने एवं कीमतों में स्थायित्व सुनिश्चित करेंगे। ग्रामीण विकास के लिए 2.66 लाख करोड़ की बड़ी राशि आवंटित की गई है। भले ही सरकार ने सीधे तौर पर बजट में किसानों की आय बढ़ाने और एमएसपी पर खरीद सुनिश्चित न किए जाने से किसानों को निराशा हुई हो लेकिन बजट में तिलहन में आत्मनिर्भरता, सब्जी उत्पादन केन्द्र विकसित करने और खेती के लिए डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास की बात कही गई है। विशेषज्ञों के मुताबिक इस बजट से आने वाले समय में एग्रीकल्चर सेक्टर की विकास की रफ्तार बढ़ाने में मदद मिलेगी जो सीधे तौर पर किसानों की आय भी बढ़ायेगा एवं उन्नत कृषि को प्रोत्साहन भी देगा। असल में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की वैधानिक गारंटी और अन्य मांगें राजनीतिक मुद्दे बन गये हैं, जिनके चलते हो रहा आन्दोलन न केवल किसानों के बल्कि आम जनता के लिये भी परेशानी का सबब है। जबकि सरकार ने धान का उत्पादन करने वाले किसानों के लिए एमएसपी को बढ़ा कर 2300 कर दिया है जो स्वागत योग्य कदम है। उम्मीद थी की सरकार एमएसपी पर खरीद को सुनिश्चित करने के लिए कोई कदम उठाएगी। लेकिन बजट में इस तरह का कोई प्रावधान न होने से काफी निराशा हुई है। दुनिया भर के विकसित देश अनिवार्य रूप से किसानों की उपज को एमएसपी पर खरीदते हैं। लेकिन भारत में किसानों को उनकी उपज का सही मूल्य नहीं मिल पाता। विपक्षी दल किसानों के हित में आन्दोलन की बजाय बातचीत के रास्ते पर आगे बढ़े। स्तरीय विरोध हो, किसानों को गुमराह करने एवं उनका मनोबल कमजोर करने के लिये विपक्षी दल उजालों पर कालिख न पोते, इससे उन्हीं के हाथ काले होने की संभावनाएं है।

शब्द पहेली - 8201

बाएँ से दाएँ

1. भगवान, ईश्वर, रब-7
6. रुपये का सोलहवां भाग-2
7. मध्यप्रदेश का एक भाग-3
8. मूल्य, कीमत, दर-2
10. जी, इच्छा, चित-2
11. नलका, टोंटी-2
13. बारीक, सूक्ष्म-3
14. रेखा, लाइन-3
15. रग, नाड़ी-2
17. अधिकार -2
18. वध, कत्ल, मर्डर-2
20. दौड़ने वाला, धावक (अंग्रेजी-3)
21. एक आंख वाला-2
22. निंदा करना, प्रतिष्ठा खंडित करना-4,3

ऊपर से नीचे

2. निर्माण, बनाना-3
3. एक संगीतकार-4
4. गाड़ी चलानेवाला-4
5. नखरा-2
6. आरामदेय-5
9. इच्छा पूरी करना-2,3
10. चिंतन-3
12. उत्साह, जिज्ञासा-3
16. हद, सीमा, बार्डर-4
17. हमेशा, सदैव-4
19. बलिदान, परित्याग, विरक्ति-2
21. नास्तिक (उर्दू-2)

शब्द पहेली-8200 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकू नवताल- 7139

मध्यम

		9		5		2		4
4	5				9	7	1	8
				7			5	3
	8	2	7		5			6
1	3			4			7	2
5			1		2	8	3	
8	4			9				
3	6	1	2				9	5
2		5		1		6		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

सूडोकू नवताल -7138 का हल

7	8	6	4	1	3	5	9	2
5	9	4	7	8	2	1	6	3
1	2	3	6	9	5	7	4	8
9	3	8	2	6	1	4	7	5
2	7	5	8	4	9	6	3	1
6	4	1	5	3	7	2	8	9
3	5	9	1	7	4	8	2	6
8	1	7	9	2	6	3	5	4
4	6	2	3	5	8	9	1	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

पति को कराएं

बच्चे की जिम्मेदारी का अहसास

एक मां ही यह बता सकती हैं कि पेरेंटिंग का अनुभव कितना आनंददायक होता है। अक्सर पुरूष इसे बहुत भारी जिम्मेदारी के तौर पर देखते हैं और शुरू से उन्हें यह लगता है कि बच्चे का पालन-पोषण मां की जिम्मेदारी होती है।

बच्चे को सही परवरिश देना मां और पिता दोनों का काम होता है, पर बच्चे की परवरिश का जिम्मा मां पर ही आता है। अगर आप चाहती हैं कि आपके पति को भी बच्चे की जिम्मेदारी का अहसास हो तो इन बातों का ध्यान रखें।

बताएं आप उनकी मदद लेना चाहती हैं

बच्चा होने के बाद कुछ पुरूष यह चाहते हैं कि वो बच्चे की देखभाल करें, पर महिलाएं अक्सर इस संकोच में कि बच्चे का काम पति सही ढंग से कर पाएंगे या नहीं, सोच उनको मना कर देती हैं। अगर आपके पति बच्चे के पालन-पोषण में आपकी मदद करना चाहते हैं तो उनका यह प्रस्ताव सहर्ष स्वीकार कर लें। उन्हें अपने तरीके से बच्चों की केयर करने दें, हर समय टोकें न, अगर वो कहीं गलत है, तो उन्हें प्यार से बताएं।

भूमिका आनंददायक है

एक मां ही यह बता सकती हैं कि पेरेंटिंग का अनुभव कितना आनंददायक होता है। अक्सर पुरूष इसे बहुत भारी जिम्मेदारी के तौर पर देखते हैं और शुरू से उन्हें यह लगता है कि बच्चे का पालन-पोषण मां की जिम्मेदारी होती है। आप उन्हें बताएं कि एक बच्चे की देखभाल करने में जिम्मेदारी तो है, पर इसमें आनंद भी खूब है। बच्चा जब छोटी-छोटी हरकतें करता है तो उन्हें देखने में कितना मजा आता है। इस तरह की बातें जब आप उनसे शेयर करेंगी तो वो खुद ब खुद इसमें रूचि दिखाने लगेंगे।

ग्रुप बनाएं पिता भी

पुरूष अक्सर बच्चों के बारे में बात करने से बचते हैं। महिलाएं तो कई बार ग्रुप में जाकर बच्चों की परेशानियां, आदतें आदि के बारे में चर्चा कर लेती हैं, पर पिता को ऐसा नहीं करते। आप पति को प्रोत्साहित करें कि वो फेसबुक, ब्लॉग, फ्रेंड सर्कल में पिताओं के ग्रुप में शामिल हों। इससे वो सारी समस्याओं का समाधान पा सकते हैं, साथ ही अन्य पुरूषों से अपने अनुभव साझा कर सकते हैं और उनके अनुभव से सीख सकते हैं।

प्राथमिकता निर्धारित कर उनसे सहयोग मांगें

मां होने के नाते आप प्राथमिकता तय कर लें कि किन-किन बातों में आपको अपने पति की जरूरत पड़ सकती है। यह निर्धारित करने के बाद आप उन्हें बताएं कि आपको उनके सहयोग की कितनी जरूरत है। ऐसा करने से आप एक अच्छा वक्त एक-दूसरे के साथ बिता सकते हैं।

यादों को रखें सहेज कर

आप अपने पति से पूछें कि फादरहुड के दौरान वो कौन-सी पांच बातें थीं, जिनसे उन्हें बेहद खुशी मिली। आप उन सारी बातों को एक छोटी-सी नोटबुक में नोट करें। अगर उससे जुड़ी फोटो आपको पास है तो उसे भी चिपकाएं, ऐसा करने से आप इन छोटी-छोटी और प्यारी बातों को ताउम्र सहेज कर रख सकेंगी।

चमकाएं बाल और त्वचा

अगर आप चमकदार त्वचा और हैल्दी हेयर चाहते हैं तो अपनी फूड लिस्ट मे इन चीजों को शामिल कर सकते हैं। ये चीजें आपको खूबसूरती के साथ-साथ बढ़िया सेहत से भी नवाजेंगी।

विटामिन ए से भरपूर चीजें

क्या लें: गाजर, पालक, ब्रोकली, पपीता, आम, आलू व टमाटर
फायदा: इन चीजों में कैरोटीन होता है, जो सनस्क्रीन का काम करता है और त्वचा को धूप से बचाता है। टमाटर में लाइकोपीन भी सनस्क्रीन का काम करता है, लेकिन जरूरी है कि टमाटर अच्छे से पका हो।

सूखे मेवे

फायदा: इनमें ओमेगा थ्री फैटी एसिड होता है जो त्वचा में नमी बनाए रखता है। अखरोट में बायोटीन होता है जो बालों को बढ़ाता है, झड़ने और दो मुंहे होने से रोकता है।

विटामिन सी वाली चीजें

फायदा: नींबू, आंवले, संतरे का खट्टापन शरीर में जाकर कोलेजन बनाता है, जो त्वचा की कोशिकाओं को जवां रखता है, इससे झुर्रियां नहीं पड़तीं और त्वचा के घाव भी जल्दी भरते हैं। विटामिन-सी वाली चीजें आसानी से पच जाती हैं और अधिक मात्रा होने पर यूरिन के रास्ते निकल जाती हैं।

अलसी के बीज

फायदा: खाने को कुरकुरा बनाते हैं। इनमें मौजूद फाइबर, ओमेगा थ्री फैटी एसिड व विटाामिन ई से त्वचा की नमी बनी रहती है, मुंहासे नहीं होते। रोजाना एक चम्मच प्रयोग करें।

विटामिन बी और कॉपर

पुरूषों के बालों में सफेदी की शुरूआत दाढ़ी से होती है, जबकि महिलाओं में कनपटी की तरफ से। इसके प्रमुख कारण हैं: चिंता करना, विटामिन बी, आयरन, कॉपर और आयोडीन की कमी। इसके लिए धूम्रपान न करें, मटर, ब्रोकली, ब्राउन राइस, गांठ गोभी खाएं व ग्रीन टी पीएं।

तौर-तरीके बदलकर

खुश रहना सीखें

मन खुश हो, तो तन दुरूस्त रहता है। इसलिए खुश रहने के लिए इन सुझावों को आजमा कर देखें -

खुद को एक्सप्रेस करें: अमरीका की वेक फॉरेस्ट यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों के अनुसार खुद को खुलकर अभिव्यक्त करने से मन में खुशी के भाव आते हैं।

दूसरों के लिए कुछ करें : फोर्ब्स डॉट कॉम के शोध के मुताबिक दूसरों के लिए कुछ करने से खुशी मिलती है। जब हम किसी की मदद करते हैं, अपनों को उपहार देते हैं या उन पर खर्च करते हैं, तो मन को सुकून मिलता है।

सकारात्मक सोचें: अपनी सोच सकारात्मक रखें और ऐसे लोगों के साथ रहें, जिनसे आपको प्रेरणा मिल सके।

दोस्तों व रिश्तेदारों से अच्छा व्यवहार रखें। यूनिवर्सिटी ऑफ इलिनॉयस के वैज्ञानिकों ने 30 साल तक एक लाख लोगों पर शोध के बाद पाया कि शिक्षा, राजनीति,सैलरी और संबंधों में से सबसे ज्यादा खुशी लोगों को अच्छे संबंधों से होती है। पर्याप्त मात्रा में पानी पीएं क्योंकि डिहाइड्रेशन होने से कई बार मूड चिड़चिड़ा हो जाता है।

खुद से करें प्यार का वादा

खूबसूरती बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक होती है, इसलिए अब से आप अपने को हमेशा खूबसूरत मानेंगी। आपके अंदर जो भी खासियत है, उसे और भी निखारेंगी और जो चीजें आपको शर्मिंदा महसूस करवाती है, उन्हें कम करने की कोशिश करेंगी।

नया साल हमें जिंदगी को एक बार फिर नए तरीके से जीने के लिए कहता है। नए साल पर आप अपने से यह वादा करें कि हमेशा अपने आप से प्यार करेंगी।

अब से आपने चाहे कोई हेयरस्टाइल करवाई हो या फिर कोई नई ड्रेस पहनी हो तो उसमें खुद को अच्छा महसूस करेंगी। अपने अंदर यह आत्मविश्वास लाएंगी कि आप जो भी पहन रही हैं, उसमें पूरी तरह परफेक्ट लग रही हैं।

खूबसूरती बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक होती है, इसलिए अब से आप अपने को हमेशा खूबसूरत मानेंगी। आपके अंदर जो भी खासियत है, उसे और भी निखारेंगी और जो चीजें आपको शर्मिंदा महसूस करवाती है, उन्हें कम करने की कोशिश करेंगी।

कुछ महिलाएं अपनी त्वचा के रंग को लेकर हमेशा असंतुष्ट रहती हैं, पर आप बिल्कुल भी ऐसा न करेंगी। आप अपनी त्वचा के रंग पर परेशान होने के बजाय यह कोशिश करेंगी कि आपकी त्वचा हमेशा ग्लो करती रहे।

अगर आपके साथ कुछ बुरा होता है या फिर आपके लुक को लेकर आपका कोई करीबी नकारात्मक कमेंट करता है तो उससे अपना मूड खराब करने की बजाय आप उस पर ज्यादा ध्यान नहीं देंगी, बल्कि अब से आप अपने दिमाग में इस बात को रखेंगी कि दूसरों को भले आप पसंद न आएं, पर आप अपने को पसंद करती हैं और करती रहेंगी।

अपने शरीर को पसंद और नापसंद करना आपके हाथों में हैं। वर्तमान में आपकी बॉडी किसी भी शेप में हो, अब से आप उस पर फख्र करेंगी। यह अलग बात है कि अगर आपका वजन कुछ ज्यादा है तो उसे कम करने की कोशिश करेंगी, पर अपने शरीर को लेकर सकारात्मक सोच को खत्म बिल्कुल नहीं करेंगी और उसे अच्छा ही मानेंगी।

आप हमेशा यह मानेंगी कि आप दिल, दिमाग और शरीर तीनों से बेहद खूबसूरत हैं। भले ही आपके बारे में कोई कुछ भी कहे, आप उसकी बात का बुरा नहीं मानेंगी। अगर आप ऐसा सोचेंगी तो सच मानिए, आप गॉर्जियस दिखेंगी।

एक प्यारी मुस्कुराहट लोगों का ध्यान हमेशा आकर्षित करती है और चेहरे पर भी नूर लाती है। इसलिए अब से चेहरे पर हमेशा तनाव लाने की बजाय मुस्कुराहट बनाए रखेंगी। एक प्यारी मुस्कुराहट आपके चेहरे पर चार चांद लगा देगी।

अगर आपके बाल हेल्दी या फिर त्वचा का टोन अच्छा है तो उस पर नाज करेंगी। अपनी कमी को देकर दुखी नहीं होंगी। बाल सफेद हो रहे हैं, उनमें रूसी है तो उन्हें देख-देखकर चिढ़ेंगी नहीं, इन्हें दूर करने के उपाय खुशी-खुशी करेंगी।

आप संवरिए

लेकिन जरा संभलकर

खास मौकों पर सज-संवरकर चेहरे की सुंदरता बढ़ाना वैसे तो कोई बुरी बात नहीं, लेकिन कई बार रोजाना भारी-भरकम मेकअप करने की आदत और पुराने या कम गुणवत्ता वाले ब्यूटी उत्पाद कुछ देर की सुंदरता और लंबे समय की बीमारी लेकर आते हैं।

ब्लीच

लोग स्किन की टेनिंग कम करने के लिए या चेहरे के बालों को छिपाने के लिए ब्लीच करते हैं, लेकिन इससे कई बार स्किन एलर्जी हो जाती है।

उपाय: ब्लीच को 24 घंटे पहले कान के पीछे लगाकर टेस्ट कर लें, अगर कोई एलर्जी न हो तभी ब्लीच करें। टेनिंग दूर करने के लिए ब्लीच कर रहे हैं तो संतरे, पपीते का पल्प या चंदन पाउडर लगा सकते हैं।

डियो और परफ्यूम

डियोड्रेंट का ज्यादा प्रयोग अंडरआर्म्स की त्वचा को नुकसान पहुंचाता है। खुजली की समस्या हो, परफ्यूम से छींके आती हों या सांस के रोगी हों तो इनका प्रयोग न करें।

उपाय: डियो या परफ्यूम में कैमिकल्स होते हैं, इन्हें सीधे बॉडी पर न लगाकर कपड़ों पर लगाएं।

आई मेकअप के नुकसान

अगर आप आई मेकअप करने के बाद आंखों में कॉन्टेक्ट लैंस लगाते हैं तो ऐसे में बैक्टीरिया कोर्निया तक पहुंच जाता है जिससे कोर्नियल इंफेक्शन का खतरा रहता है। कई बार मेकअप करने से बैक्टीरिया का मैंब्रेन (झिल्ली) से संपर्क होता है।

नेलपॉलिश

नेलपॉलिश लगाने के बाद हमें नाखूनों की मैल नहीं दिखती जिससे पेट में इंफेक्शन हो सकता है।

उपाय: नाखूनों की सफाई का ध्यान रखें और खाना बनाने या खाने से पहले नेलपॉलिश को सुखा लें।

फाउंडेशन और ब्लशर

इनके रोजाना प्रयोग से चेहरे के रोमछिद्र बंद हो जाते हैं। त्वचा के अंदर जमी गंदगी और तेल बाहर नहीं आ पाते, जिससे छिद्रों में मवाद जमने से कील-मुहांसे होने लगते हैं।

उपाय: ब्यूटी प्रोडक्ट की क्वालिटी का ख्याल रखें। त्वचा ऑयली है तो वॉटर बेस प्रोडक्ट और रूखी है तो ऑयल बेस स्किन प्रोडक्ट का प्रयोग करें।

सूर्यकुमार की कप्तानी में श्रीलंका के खिलाफ जीत से शुरुआत करने उतरेगी भारतीय टीम

पालेकल। भारतीय क्रिकेट टीम शनिवार को नये कोच गौतम गंभीर और कप्तान सूर्यकुमार यादव के नेतृत्व में मेजबान श्रीलंका के खिलाफ पहले टी20 में जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम इस दौरे में श्रीलंका से तीन मैच खेलेगी और गंभीर व सूर्या की जोड़ी का लक्ष्य इसमें टीम को जीत दिलाना रहेगा। गंभीर को राहुल द्रविड़ की जगह कोच बनाया गया है। गंभीर को अब उनके काम को आगे बढ़ाना होगा। गंभीर को इस दौरे में उनकी मांग के अनुसार टीम दी गयी है। ऐसे में उनकी पहली परीक्षा ये दौरा होगा। इस दौर में सूर्यकुमार को कप्तान बनाया गया है जबकि हार्दिक पंड्या इस पद के स्वाभाविक दावेदार माने जा रहे थे। इसके अलावा कई युवा खिलाड़ियों को भी अवसर मिला है। भारतीय टीम में यह बदलाव पिछले महीने विश्व कप जीतने तथा रोहित, विराट कोहली और रविंद्र जडेजा के टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद आया है। इस सीरीज में उपकप्तानी संभाल रहे शुभमन गिल इसे अपनी जगह पक्की करने के अवसर के रूप में देखेंगे। इसके अलावा यशस्वी जायसवाल, रिंकू सिंह और यहां तक कि रियान पराग जैसे अन्य खिलाड़ी भी यही चाहेंगे। अक्षर पटेल टीम में जडेजा की जगह लेने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। उनके अलावा भारत के पास हार्दिक, शिवम दुबे और वाशिंगटन सुंदर जैसे बेहतरीन ऑलराउंडर हैं। इस दौरे में अनुभवी तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को आराम दिया गया है और ऐसे में गेंदबाजी की कमान अर्शदीप सिंह और मोहम्मद सिराज पर रहेगी। बल्लेबाजी की जिम्मेदारी शुभमन , सूर्यकुमार जैसे बल्लेबाजों पर रहेगी। वहीं दूसरी ओर मेजबान श्रीलंकाई टीम की राह भी आसान नहीं है। उसके दो अनुभवी गेंदबाज दुष्मंथा चमीरा चोटिल होने के कारण सीरीज से बाहर हो गये हैं। अब उनकी जगह असिथा फर्नांडो और दिलशान मदुशंका को टीम में लिया गया है। श्रीलंकाई टीम इस सीरीज में नये कतान चरिथ असलांका और अंतरिम कोच सनत जयसूर्या के मार्गदर्शन में उतरेगी।

मेजबान टीम घरेलू हालातों का लाभ उठाकर बेहतर प्रदर्शन करना चाहेगी। उसके पास दासुन शनाका, कुसल परेरा, कुसल मेंडिस और दिनेश चांदीमल जैसे अनुभवी खिलाड़ी हैं। गेंदबाजी की जिम्मेदारी वानिंदु हसरंगा, मथीशा पथिराना जैसे खिलाड़ियों के पास रहेगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं:

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, रिंकू सिंह, रियान पराग, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, खलील अहमद, मोहम्मद सिराज।

श्रीलंका : चरिथ असलांका (कप्तान), दिनेश चांदीमल, अविष्का फर्नांडो, कुसल मेंडिस (विकेटकीपर), पथुम निसांका, कुसल परेरा, वानिंदु हसरंगा, कामिंडु मेंडिस, दासुन शनाका, चामिंडु विक्रमसिंघे, बिनुरा फर्नांडो, असिथा फर्नांडो, दिलशान मदुशंका, मथीशा पथिराना, महेश थीक्षाना, डुनिथ वेलालगे।

शोएब मलिक ने भारतीय टीम से चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान आने की अपील की

लाहौर। भारतीय क्रिकेट टीम के चैम्पियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान जाने की संभावनएं नहीं हैं। ऐसा माना जा रहा है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) भारतीय टीम के मुकाबलों को किसी अन्य जगह पर आयोजित करने की मांग करेगा। शाहिद अफरीदी के बाद अब पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शोएब मलिक ने भारतीय टीम से पाकिस्तान दौरे पर आने की अपील की है। माना जा रहा है कि दोनो देशों के बीच तनाव को देखते हुए ही सरकार टीम को सुरक्षा कारणों से पाक जाने की अनुमति नहीं देगी। इसी को लेकर पाक खिलाड़ी निराश हैं और भारतीय टीम से दौरे पर आने को कह रहे हैं। अब पूर्व पाक कप्तान शोएब मलिक ने भारतीय टीम से पाकिस्तान आने की अपील करते हुए कहा कि खेल को राजनीति से दूर रखा जाना चाहिये। मलिक ने कहा कि पाक ने भारत में हुए एकदिवसीय विश्वकप में भाग लिया था। ऐसे में अब भारतीय टीम की बारी है। साथ ही कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच जो भी परेशानियां हैं, उसे निजी तौर पर हल करना चाहिए। राजनीति को खेल से नहीं जोड़ना चाहिए। साथ ही कहा कि भारतीय टीम के कई खिलाड़ी पाकिस्तान में नहीं खेले हैं तो उनके लिए यह अच्छा मौका होगा। हम बहुत अच्छे लोग हैं। मुझे विश्वास है कि भारतीय टीम यहां जरूर आएगी। वहीं पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने भारतीय टीम को मनाने का काम आईसीसी पर छोड़ दिया है। आईसीसी की वार्षिक बैठक में चैंपियंस ट्रॉफी के कार्यक्रम और प्रारूप पर कोई विचार-विमर्श नहीं हुआ था। इसमें आगे बताया गया कि पीसीबी ने आईसीसी पर भारत को राजी करने की जिम्मेदारी छोड़ दी है। पीसीबी ने भारत के सभी मैच लाहौर में रखे हैं, जहां चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल और फाइनल भी खेले जाएंगे।

श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में एक अहम रिकार्ड बना सकते हैं विराट

मुम्बई। श्रीलंका के खिलाफ अगले माह होने वाली एकदिवसीय क्रिकेट सीरीज में भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली एक बड़ी उपलब्धि हासिल कर सकते हैं। विराट इस सीरीज के दौरान ऐसा रिकॉर्ड बना सकते है जो किसी अन्य क्रिकेटर के लिए तोड़ना असंभव की तरह रहेगा। विराट इस सीरीज में 27,000 रन का आंकड़ा पार कर सकते हैं। विराट के नाम अभी 53.55 की औसत से 26,884 रन हैं। ऐसे में अगर वह श्रीलंका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में 116 रन बनाते हैं तो उनके तीनों प्रारुपों को मिलाकर कुल 27 हजार रन हो जाएंगे। यह वो आंकड़ा है, जो अब तक केवल तीन खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर 34357, कुमार संगकारा 28016 और रिकी पोंटिंग 27483 ही हासिल कर पाये हैं। आज के दौर के क्रिकेटरों की बात करें तो विराट के अलावा एक भी ऐसा बल्लेबाज नहीं है जिसने 20,000 रन बनाए हों। वर्तमान समय के क्रिकेटरों में विराट कोहली के बाद जो रूट 19,355 रनों के साथ दूसरे और रोहित 19,077 रनों के साथ ही तीसरे नंबर पर हैं। रूट 33 साल के हैं जबकि रोहित की उम्र 37 साल है। अब अगर ये दोनों खिलाड़ी 40 साल की उम्र तक खेलें तो जो रूट के लिए तो यह संभव है कि वे 27 हजार रन बना लें। रोहित के लिए भी ये काफी कठिन है। रोहित ने अब तक कुल 480 मैच खेले हैं। इसमें उन्होंने 43.25 की औसत से 19,077 रन बनाए हैं। उन्हें 27 हजार रन का आंकड़ा हासिल करने के लिए 7923 रन और बनाने होंगे। रोहित को 27 हजार रन तक पहुंचने में करीब चार साल लगेंगे। उनके 40 साल की उम्र तक खेलने की संभावनाएं नहीं हैं। ऐसे में वह इस रिकार्ड तक नहीं पहुंच सकते।

महिला एशिया कप : भारतीय टीम ने बांग्लादेश को 10 विकेट से हराकर फाइनल में जगह बनायी

दांबुला। रेणुका ठाकुर ओर राधा यादव की शानदार गेंदबाजी के बाद स्मृति मंधाना के लगाये अर्धशतक की बदौलत भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने महिला एशिया कप क्रिकेट के सेमीफाइनल में बांग्लादेश को 10 विकेट से हराकर फाइनल में जगह बनायी है। भारत की ओर से मंधाना ने 55 जबकि शैफाली वर्मा ने 26 रन बनाये। इस मैच में भारतीय टीम ने बांग्लादेश को 80 रनों पर रोकने के बाद एक भी विकेट गंवाये बिना जीत के लिए मिला 81 रनों का लक्ष्य हासिल कर लिया। भारतीय टीम की जीत में तेज गेंदबाज रेणुका और स्पिनर राधा की भी अहम भूमिका रही। रेणुका ने पारी की शुरुआत में लगातार चार ओवर डालते हुए 10 रन देकर तीन विकेट लेकर बांग्लादेश के बल्लेबाजी क्रम को ध्वस्त कर दिया। वहीं राधा ने 14 रन देकर तीन विकेट लिए। बांग्लादेश की ओर से कप्तान निगार सुल्ताना 32 और शोर्ना अख्तर नाबाद 19 रन ही भारतीय गेंदबाजों का कुछ हद तक सामना कर पाये। इनके अलावा अन्य बल्लेबाज विफल रहे। इस मैच में टॉस जीतकर बांग्लादेश का पहले बल्लेबाजी का फैसला गलत रहा। रेणुका ने पहले ओवर में ही विकेट ले लिया। रेणुका ने दिलारा को आउट कर दिया। उन्होंने अपने अगले दो ओवरों में इश्मा तंजीम और मुर्शिदा खातून को भी पेवेलियन भेज दिया। पावर प्ले में बांग्लादेश की टीम तीन विकेट पर 25 रन ही बना पायी। कप्तान सुल्ताना ने पारी संभालने का प्रयास किया पर वह विफल रहीं। भारतीय गेंदबाजों के सामने बांग्लादेश के बल्लेबाज बेबस नजर आये। भारत का क्षेत्ररक्षण भी काफी अच्छा रहा । शेफाली ने छलांग लगाकर एक शानदार कैच पकड़ा। सुल्ताना ने शोर्ना के ने 35 गेंद में 36 रन बनाकर पारी संभालने का प्रयास किया पर इनके आउट होने ही विकेटों की लाइन लग गयी। राधा ने सुल्ताना को आउट कर बांग्लादेश की रही सही उम्मीदें तोड़ दीं।

व्यापार

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

- सेंसेक्स 1,293 , निफ्टी 428 अंक ऊपर आया

मुम्बई। घरेलू शेयर बाजार शुक्रवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही दिग्गज कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में आये उछाल से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,292.92 अंक करीब 1.62 फीसदी ऊपर आकर 81,332.72 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 428.75 अंक तकरीबन 1.76 फीसदी बढ़कर 24,834.85 के शीर्ष स्तर पर बंद हुआ। आज के कारोबार में सेंसेक्स के 29 शेयर लाभ पर बंद हुए। भारती एयरटेल, अदाणी पोर्ट्स, टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील और इंफोसिस सेंसेक्स के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे। भारती एयरटेल 4.51 फीसदी से ज्यादा की बढ़त के साथ सबसे अधिक लाभ में रही। इसके अलावा सन फार्मा, एचसीएल टेक, एमएंडएम, आईटीसी, टाटा मोटर्स, टाइटन, कोटक बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फाइनैंस, एसबीआई, इंडसइंड, एशियन पेंट्स, टीसीएस, पावर ग्रिड, एलएंडटी, मारुति, रिलायंस, एनटीपीसी, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फिनसर्व, टेक महिंद्रा, एक्सिस बैंक, एचयूएल और एचडीएफसी बैंक के शेयर भी लाभ में रहे। वहीं, दूसरी तरफ सेंसेक्स के 30 शेयरों में से केवल एक शेयर ही नुकसान पर बंद हुआ। ये शेयर नेस्ले इंडिया का था। इसमें 0.07 फीसदी की हल्की गिरावट रही। वहीं दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में, सियोल, शंघाई और हांगकांग ऊपर आये जबकि टोक्यो में गिरावट रही। यूरोपीय बाजार भी ऊपर आया है। गत दिवस अमेरिकी बाजार में गिरावट रही। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने गत दिवस 2,605.49 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। वहीं गत दिवस बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। इससे पहले आज सुबह बाजार सकारात्मक रुख के साथ खुला और सेंसेक्स 119 अंक चढ़कर 80,158 पर जबकि निफ़्टी-50 भी 17 अंक की बढ़त लेकर 24,423 अंक पर पहुंच गया। बीएसई सेंसेक्स की कंपनियों में टेक महिंद्रा 2 फीसदी से ज्यादा गिर गया। साथ ही इंडसइंड बैंक, मारुति और एलएंडटी के शेयर भी गिरावट में रहे जबकि भारती एयरटेल 2 फीसदी बढ़ गया।

बजट के बाद कई राज्यों में पेट्रोल और डीजल की कीमत घटी

नई दिल्ली। केद्र सरकार के तीसरे कार्यकाल के बजट पेश होने के बाद कई चीजों के दाम में बदलाव देखने को मिला है। वहीं बजट के बाद कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बदलाव देखने को मिल रहा है। शुक्रवार को भी कई राज्यों में पेट्रोल-डीजल के दाम कम हुए हैं। हालांकि कीमतों में बदलाव आंशिक है। जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश और बिहार में पेट्रोल-डीजल के दाम में कमी आई है तो दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता में आज पेट्रोल और डीजल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है। जबकि महाराष्ट्र में कीमतों में बढ़ोतरी देखने को मिली है। दिल्ली में पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल की कीमत 87.62 रुपए प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल की कीमत 103.44 रुपये और डीजल की कीमत 89.97 रुपए प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल की कीमत 104.95 रुपये और डीजल की कीमत 91.76 रुपए प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल की कीमत 100.75 रुपये और डीजल की कीमत 92.34 रुपए प्रति लीटर है। बिहार में पेट्रोल 3 पैसे घटकर 107.09 रुपए प्रति लीटर और डीजल 3 पैसे घटकर 93.81 रुपए प्रति लीटर मिल रहा है। यूपी में पेट्रोल 10 पैसे घटकर 94.39 रुपए प्रति लीटर और डीजल 11 पैसे घटकर 87.44 रुपए प्रति लीटर मिल रहा है। वहीं महाराष्ट्र में पेट्रोल-डीजल महंगा हो गया है। यहां पेट्रोल 1 रुपए 22 पैसे बढ़कर 105.09 रुपये प्रति लीटर और डीजल 1 रुपए 17 पैसे घटकर 91.59 रुपए प्रति लीटर मिल रहा है।

एक हजार से ज्यादा विमानों में स्टारलिंक सेवा शुरू, मस्क ने दी जानकारी

हाईस्पीड इंटरनेट सेवा को अभी भारत सरकार से नहीं मिली मंजूरी

सैन फ्रांसिस्को। टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क ने कहा है किफायती इंटरनेट सेवा स्टारलिंक अब एक हजार से ज्यादा विमानों में शुरू हो गई है। स्टारलिंक यात्रियों को विमान में कदम रखते ही हाईस्पीड इंटरनेट कनेक्शन मिलेगा। एलन मस्क ने अपने एक्स पर पोस्ट किया कि विमान में स्टारलिंक का उपयोग करने से ऐसा लगता है जैसे आप हाई-स्पीड ग्राउंड फाइबर कनेक्शन पर हैं। मस्क ने बताया कि अफ्रीका का सिएरा लियोन देश स्टारलिंक से जुड़ने वाला 100वां और 10वां अफ्रीकी राष्ट्र बन गया है। मई में कंपनी ने इंडोनेशिया और फिजी में स्टारलिंक लॉन्च किया था। स्टारलिंक के साथ हाई-स्पीड इंटरनेट सेवा का ऑर्डर देने के लिए किसी लॉन्ग-टर्म कॉन्ट्रैक्ट की जरूरत नहीं है। सेटेलाइट-बेस्ड इंटरनेट सर्विस को द्वीप राष्ट्र में इंटरनेट सेवा देने के लिए श्रीलंका से शुरुआती मंजूरी भी मिल गई है। हालांकि, इंटरनेट सेवा को अभी तक भारत सरकार से मंजूरी नहीं मिली है। कमर्शियल पहलू की जांच पूरी हो गई है, जिसमें फॉरेन इन्वेस्टमेंट और नेटवर्थ जैसे मुद्दों पर ध्यान दिया गया। तकनीकी जरूरतों को भी देश में लाइसेंस नियमों के लिहाल से परखा जा रहा है। एक बार स्टारलिंक को मंजूरी मिलने के बाद उसे ग्लोबल मोबाइल पर्सनल कम्युनिकेशन बाय सैटेलाइट सर्विसेज लाइसेंस जारी कर दिया जाएगा, जो देश में सैटेलाइट कम्युनिकेशन सर्विसेज देने के लिए जरूरी है।

जल्द लांच हो सकता है शाओमी 14 टी प्रो फोन

- फोन के कुछ फीचर्स हो गए पहले ही लीक

नईदिल्ली। चाइनीज कंपनी शाओमी जल्द ही शाओमी 14 टी प्रो लांच कर सकती है। हालांकि कंपनी की तरफ से इस बारे में कोई ऑफिशियल जानकारी सामने नहीं आई है। लेकिन फोन के कुछ फीचर्स पहले ही लीक हो गए हैं। एक नए लीक से फोन कैमरे के बारे में पता चला है। एक टिपस्टर के मुताबिक शाओमी 14 टी प्रो में 50-मेगापिक्सल प्राइमरी सेंसर के साथ ट्रिपल रियर कैमरा सेटअप दिया जाएगा। पिछली रिपोर्ट में दावा किया गया था कि फोन का टेलीफोटो कैमरा लेइका के साथ पेश किया सकता है। इसके अलावा, ऐसा कहा जा रहा है कि शाओमी 14 टी प्रो में रेडमी के 70 अल्ट्रा की तरह स्पेसिफिकेशन मिल सकते हैं, जिसे हो सकता है अगले महीने लॉन्च किया जाए। एक्स पर एक पोस्ट के अनुसार शाओमी 14 टी प्रोमें ट्रिपल रियर कैमरा सेटअप और सिंगल फ्रंट-फेसिंग कैमरा दिया जा सकता है। इनमें से दो सैमसंग सेंसर से लैस होंगे। टिपस्टर का ये भी दावा है कि शाओमी 14 टी प्रो ओमनीविज़न ओवी50 एच सेंसर के साथ 50-मेगापिक्सल के प्राइमरी कैमरे के साथ आ सकता है। इसके अलावा इस स्मार्टफोन में 13-मेगापिक्सल ओमनीविजन ओवी13बी अल्ट्रा-वाइड-एंगल सेंसर और 50-मेगापिक्सल सैमसंग एस 5केजेएन1 टेलीफोटो लेंस हो सकता है। टेलीफोटो कैमरा लेईका-ब्रांडेड हो सकता है। टिपस्टर ने ये दावा किया है कि ये सैमसंग एस 5केकेडी 1 सेंसर होगा। पिछली रिपोर्ट में कहा गया था कि शाओमी 14 टी प्रो बेस मॉडल शाओमी 14 टी के साथ लॉन्च हो सकता है। दोनों फोन के लगभग एक जैसे फीचर्स के साथ आ सकते हैं।

फिल्म घुड़चढ़ी का ट्रेलर रिलीज रोमांस करते दिखे संजय दत्त और रवीना टंडन

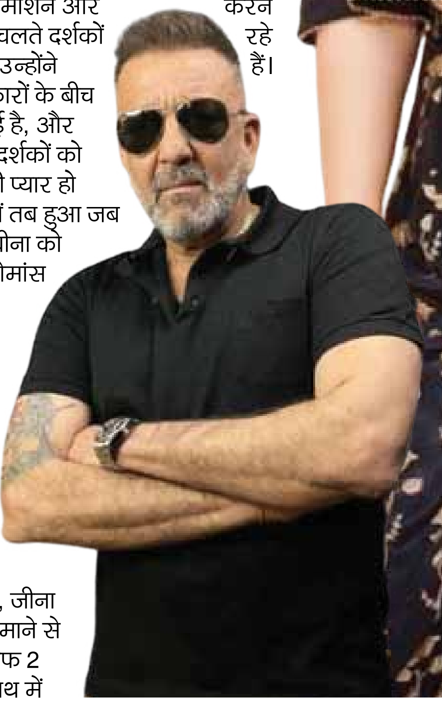

संजय दत्त और रवीना टंडन की मच अवेटेड फिल्म घुड़चढ़ी का इंतजार फैंस बेसब्री से कर रहे हैं। दर्शक इस फिल्म से जुड़े अपडेट्स जानने के लिए बेकरार रहते हैं। मेकर्स ने अब फिल्म का ट्रेलर जारी कर दिया है। फिल्म में संजय दत्त और रवीना टंडन के अलावा खुशाली कुमार और पार्थ समथान भी है। इसमें दो अलग-अलग जोड़ों - रवीना-संजय और खुशाली-पार्थ - की प्रेम कहानी देखने को मिलेगी, जिसमें कई ट्विस्ट एंड टर्न हैं। ट्रेलर में कॉमेडी, रोमांस और भरपूर ड्रामा है। इसकी शुरुआत पार्थ समथान-खुशाली कुमार की लव स्टोरी से होती है। पहले दोनों की मुलाकात होती है और फिर दोस्ती। इसके बाद दोनों को एक-दूसरे से प्यार हो जाता है और वे शादी करने का फैसला करते हैं। वहीं, दूसरे फ्रेम में पार्थ समथान के पिता के रोल में संजय दत्त अपने बचपन की दोस्त रवीना से प्यार करता है और उससे शादी करना चाहता है। रवीना फिल्म में खुशाली की मां का रोल निभा रही हैं। जब पार्थ-खुशाली को पता चलता है कि उनके पेरेंट्स आपस में प्यार करते हैं और इस उम्र में शादी करना चाहते हैं, तो उन्हें जोरदार झटका लगता है और यहां से मन में सवाल उठता है कि घुड़चढ़ी किसकी होगी बाप की या बेटे की। संजय ने फिल्म का ट्रेलर अपने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है और कैप्शन में लिखा, किसकी फाइनली होगी घुड़चढ़ी? देखें 9 अगस्त से, स्ट्रीमिंग ऑन जियोसिनेमा। वहीं, फिल्म के बारे में प्रोड्यूसर निधि दत्ता ने कहा, हम घुड़चढ़ी का ट्रेलर शेयर करते हुए बेहद एक्साइटेड हैं। यह फिल्म हमारे दिल के बहुत करीब है और हमें विश्वास है कि यह अपनी मजेदार कहानी, इमोशन और फैमिली मस्ती के चलते दर्शकों को पसंद आएगी। उन्होंने आगे कहा, कलाकारों के बीच की केमिस्ट्री जादुई है, और हमें उम्मीद है कि दर्शकों को कहानी से उतना ही प्यार हो जाएगा जितना हमें तब हुआ जब संजय दत्त और रवीना को 90 के दशक का रोमांस करते हुए देखा! आखिरकार, एक ऐसी फिल्म जिसे पूरा परिवार और सभी पीढ़ियां एक कमरे में बैठकर देख सकती हैं। संजय और रवीना ने इस फिल्म से पहले विजेता, जंग, जीना मरना तेरे संग, जमाने से क्या डरना, केजीएफ 2 जैसी फिल्मों में साथ में काम किया है। इस फिल्म की कहानी और डायरेक्शन बिनॉय गांधी की है। बिनॉय इस फिल्म के जरिए बॉलीवुड में बतौर निर्देशक अपनी शुरुआत करने रहे हैं।

प्रभास की कल्कि 2898 एडी का बॉक्स ऑफिस पर जलवा जारी

घटती कमाई के साथ फिर इतिहास रचने को तैयार फिल्म

प्रभास की लेटेस्ट सुपर ब्लॉकबस्टर 'कल्कि 2898 एडी ने 27 जून को स्क्रीन पर आने के बाद दुनिया भर में पांच भाषाओं में बॉक्स ऑफिस काउंटर पर धूम मचा दी. नाग अश्विन द्वारा लिखित और निर्देशित फिल्म को दर्शकों ने भरपूर प्यार दिया है. इसी केसाथ फिल्म ने भी जमकर कारोबार किया है. फिल्म अपने बजट से कहीं ज्यादा मुनाफा कमा चुकी है और रिलीज के चौथे हफ्ते में भी कमाई कर रही है. वहीं 'कल्कि 2898 एडी के कलेक्शन की बात करे तो फिल्म ने पहले हफ्ते में 414.85 करोड़ का कलेक्शन किया था. दूसरे हफ्ते में 'कल्कि 2898 एडी ने 128.5 करोड़ रुपये कमाए. वहीं तीसरे हफ्ते की कमाई 56.1 करोड़ रुपये रही. अब रिलीज के चौथे हफ्ते में फिल्म ने जहां चौथे शुक्रवार 2.9 करोड़ कमाए तो चौथे शनिवार 'कल्कि 2898 एडी ने 6.1 करोड़ और चौथे रविवार 8.4 करोड़ का कलेक्शन किया जबकि चौथे सोमवार फिल्म की कमाई 1.65 करोड़ रही. वहीं अब फिल्म की रिलीज के चौथे मंगलवार की कमाई के शुरुआत आंकड़े आ गए हैं. सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक 'कल्कि 2898 एडी ने रिलीज के चौथे मंगलवार को 2 करोड़ का बिजनेस किया है. इसके बाद 'कल्कि 2898 एडी की 27 दिनों की कुल कमाई अब 620.50 करोड़ रुपये हो गई है. 'कल्कि 2898 एडी की कमाई का ग्राफ चौथे हफ्ते में फिर लुढ़क गया है. हालांकि घटकी कमाई के साथ ये फिल्म हर दिन अपने कलेक्शन में करोड़ों रुपये जोड़ रही है. इसी के साथ ये फिल्म शाहरुख खान की जवान के लाइफ टाइम कलेक्शन 643.87 करोड़ के रिकॉर्ड को ब्रेक करने से बस 23 करोड रुपये दूर रह गई है.

मंडे टेस्ट में फेल होने के बाद बैड न्यूज ने दी गुडन्यूज

5वें दिन बॉक्स ऑफिस पर कमाई में आया उछाल

विक्की कौशल, तृप्ति डिमरी और एमी वर्क स्टारर रोमांटिक कॉमेडी ड्रामा फिल्म बैड न्यूज बॉक्स ऑफिस पर अपना पहला हफ्ता कवर करने के करीब है. फिल्म बीती 19 जुलाई को रिलीज हुई है. फिल्म बैड न्यूज ने बॉक्स ऑफिस पर अपने पांच दिन पूर कर लिए हैं. बैड न्यूज इन पांच दिनों में 35 करोड़ रुपये से ज्यादा का कलेक्शन कर चुकी है. वहीं, मंडे टेस्ट में फेल होने के बाद बैड न्यूज की कमाई में पांचवें दिन हल्का उछाल देखा गया है. सैकनिल्क के अनुसार, फिल्म बैडन्यूज ने पांचवें दिन कमाई में इजाफा किया है. बैडन्यूज ने चौथे दिन 3.75 करोड़ रुपये और पांचवें दिन 4 करोड़ रुपये के करीब बिजनेस किया है. फिल्म का चार दिनों का कुल 34.37 करोड़ रुपये था. वहीं, सैकनिल्क के अनुसार फिल्म का पांच दिनों का कलेक्शन 36 करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर चुका है. कहा जा रहा है कि फिल्म अपने पहले वीक में 50 करोड़ रुपये का आंकड़ा छू सकती है. बता दें, बैड न्यूज विक्की कौशल के करियर की बिगेस्ट ओपनर फिल्म साबित हुई है. फिल्म ने 8.62 करोड़ रुपये से खाता खोला था. बैड न्यूज के मेकर्स ने फिल्म की कमाई में इजाफा करने और दर्शकों की भीड़ को थिएटर तक लाने के लिए बैड न्यूज की एक टिकट के साथ एक टिकट फ्री देने का एलान किया है. बैड न्यूज की कमाई में पांचवें दिन इजाफा टिकट पर बाय वन गेट वन ऑफर के चलते हुआ है.

फिल्म स्त्री 2 का पहला गाना आज की रात जारी

तमन्ना के डांस मूव्स ने लगाई आग

श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव स्टार फिल्म स्त्री का गाना कमरिया तो आपने सुना ही होगा। इस गाने में नोरा फतेही अपनी दिलकश अदाओं का तड़का लगाती नजर आई थीं। फिल्म में मौजूद इस पेपी सॉन्ग की अपनी अलग फैन फॉलोविंग थी। लोगों ने इस दाने को बहुत प्यार दिया था। अब पार्ट वन की तरह दिनेश विजान द्वारा निर्देशित फिल्म स्त्री 2 में भी इसी तरह का आइटम नंबर रखा गया है। इस तरह फिल्म का पहला गाना रिलीज हो गया है। फिल्म के बोल हैं आज की रात का मजा हुस्न का आंखों से लीजिए। ग्रीन कलर के आउटफिट में एक्ट्रेस अपने लटके झटकों के साथ फुल ऑन एंटरटेन करती नजर आएंगी। इस फिल्म में तमन्ना का नाम शमा है। पीछे से वॉइस ओवर आता है आज तक शमा पर परवाना मरता था लेकिन आज परवाने पर ये शमा मरने को तैयार है। इस गाने में तमन्ना के कर्व्स पर फुल ऑन फोकस किया गया है। इस गाने को मधुबंती बागची और दिव्या कुमार ने गाया है और अमिताभ भट्टाचार्य ने इसके लिरिक्स लिखे हैं। मशहूर जोड़ी सचिन-जिगर ने इसे कम्पोज किया है। फिल्म में राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर के अलावा पंकज त्रिपाठी, अभिषेक बनर्जी और अपार शक्ति खुराना भी मुख्य किरदार में नजर आएंगे। फिल्म की स्टार कास्ट उनकी कॉमिक टाइमिंग ने इसे और भी मजेदार बना दिया है। दर्शक ट्रेलर रिलीज के बाद से ही इसके आने का पलके बिछाए इंतजार कर रहे हैं। स्त्री 2 का निर्देशन अमर कौशिक ने किया है। फिल्म इस साल 15 अगस्त को रिलीज होगी।

पिंक लहंगा पहने प्रज्ञा जैसवाल ने कातिलाना अदाओं से लूटी लाइमलाइट

तस्वीरें देख लट्टू हुए फैंस

साउथ की खूबसूरत हसीना प्रज्ञा जैसवाल आए दिन अपनी लेटेस्ट ग्लैमरस पोस्ट इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर कर अक्सर फैंस का ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका हर एक लुक सोशल मीडिया पर आते ही छा जाता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने लहंगा पहनकर बेहद ही स्टाइलिश अंदाज में फोटोज शेयर की हैं, जिसमें वो काफी बोल्ड और स्टनिंग पोज देती हुई नजर आ रही हैं। एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल आए दिन अपने बोल्ड और स्टनिंग लुक से फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं। उनका हर एक अंदाज इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगता है। अब हाल ही में एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की कुछ बेहद ग्लैमरस फोटोज शेयर की हैं, जिसमें वो अपना कातिलाना हुस्न फ्लॉन्ट करती हुई नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस ने पिंक कलर का बेहद खूबसूरत लहंगा पहना हुआ है, जिसमें वो एक से बढ़कर एक सिजलिंग अंदाज में पोज देती हुई कैमरे के सामने कहर बरपा रही हैं। चेहरे पर प्यारी सी मुस्कान, गले में नेकलेस और बालों को स्टाइल कर के एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। बता दें कि एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज और वीडियोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस अक्सर उनके लुक्स पर दिल हार जाते हैं। साथ ही लाइक्स और कॉमेंट्स करते हुए भी नहीं थकते हैं। हालांकि इन तस्वीरों में भी ऐसा ही देखने को मिल रहा है। एक यूजर ने प्रज्ञा जैसवाल की इन फोटोज पर कॉमेंट करते हुए टू मच हॉट लिखा है। वहीं दूसरे यूजर ने फोटोज पर कॉमेंट करते हुए स्टनिंग लिखा है। ऐसे ही एक के बाद एक कॉमेंट्स और रिएक्शंस आ रहे हैं। एक्ट्रेस प्रज्ञा जैसवाल सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी लंबी है।

दर्दभरी प्रेम कहानी लेकर आ रहे हैं हिमेश रेशमिया, नई फिल्म जानम तेरी कसम का किया ऐलान

हिंदी म्यूजिक इंडस्ट्री के शानदार म्यूजिक डायरेक्टर, सिंगर और एक्टर हिमेश रेशमिया ने अपने 14 साल के फिल्मी करियर में अपनी 10वीं फिल्म का एलान किया है. बीती 23 जुलाई को हिमेश ने अपना 51वां बर्थडे मनाया था. इसके साथ ही हिमेश ने फिल्म की रिलीज डेट का भी एलान किया है. जानम तेरी कसम एक दर्दभरी लव स्टोरी फिल्म है, जिसमें फ्रेश पेयर नजर आने वाला है. इस फिल्म को राधिका राव और विनय सप्रू बनाने जा रहे हैं. यह फिल्म दशहरा 2025 के मौके पर रिलीज होगी. इस फिल्म को हिमेश रेशमिया ने प्रोड्यूस किया है. वहीं, एक और पोस्ट में हिमेश ने अपने सिंगिंग के करियर के शुरुआत की एक तस्वीर शेयर कर लिखा है, जिस दर्द में आराम है, इश्क उसी का नाम है, समीर जान ऑफिशियल, जानम तेरी कसम, जय माता दी लेट्स रॉक. इसके अलावा हिमेश ने खुद अपनी पत्नी सोनिया कपूर संग इस गाने पर रोमांटिक रील बनाकर शेयर की है. इस रील को शेयर कर हिमेश ने लिखा है, मुझे जन्मदिन विश करने के लिए आप सभी का धन्यवाद, रील्स जानम तेरी कसम टाइटल ट्रैक टीजर. बता दें, हिमेश ने बतौर एक्टर साल 2007 में फिल्म आप का सुरूर से बॉलीवुड में धमाकेदार एंट्री की थी. इसके अगले साल हिमेश ने फिल्म कर्ज बनाई थी. साल 2009 में रेडियो, 2010 में कजरारे, 2011 में दमादम, 2014 में द एक्सपॉज, साल 2016 में तेरा सुरूर और साल 2020 में हैप्पी हार्डी एंड हीर. हिमेश की अपकमिंग फिल्मों में बडास रवि कुमार और जानम तेरी कमस शामिल है.

टीवी एक्ट्रेस शांभवी सिंह बारिश में मौज-मस्ती को करती हैं मिस

टीवी एक्?ट्रेस शांभवी सिंह ने मानसून से जुड़ी अपनी कुछ यादें ताजा की हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें यह मौसम बेहद पसंद है। लेकिन वह अब इसका पूरा आनंद नहीं ले पातीं। सुपरनैचुरल थ्रिलर 10:29 की आखिरी दस्तक में प्रीति की भूमिका निभाने वाली शांभवी सिंह ने कहा, मानसून का मौसम मुझे बेहद पसंद है। मैं हमेशा ही इसका मजा लेती हूं। मुझे याद है कि स्?कूल के दिनों में मैं हमेशा बारिश का इंतजार करती थी, क्योंकि भारी बारिश के कारण हमें स्कूल से छुट्टी मिल जाती थी। उन्होंने कहा, मैं उन दिनों जानबूझकर घर पर छाता भूल जाती थी ताकि मैं घर आते समय भीग कर अपने दोस्तों के साथ मौज-मस्ती कर सकूं। मेरी मां इस पर बहुत नाराज होती थी, क्योंकि मैं अक्सर इसके बाद बीमार पड़ जाती थी। मुझे लगता है कि हर बच्चे के पास बारिश से जुड़ी हुई अपनी खास यादें होती हैं। उन्होंने कहा, कभी-कभी बड़े होने के साथ-साथ लोग बदलने लगते हैं, लेकिन उनके बारे में एक चीज जो नहीं बदली है, वह है बरसात के मौसम के लिए उनका प्यार। एक्ट्रेस ने कहा, अब चीजें थोड़ी अलग हैं क्योंकि मुझे अब अपनी खिड़की के पास बैठकर अपनी मां के हाथ की पुदीने की चटनी और पकोड़े खाने का समय नहीं मिलता। मुझे काम के चक्कर में मेरी पसंदीदा चीजों के लिए समय ही नहीं मिलता। उन्होंने बताया कि 10:29 की आखिरी दस्तक की शूटिंग शुरू होने के बाद से उन्होंने नाइट शिफ्ट में काम किया है। उन्होंने कहा, मैं इतना थक जाती हूं कि दिन के समय बस सोना चाहती हूं। इसलिए ट्रेवल करते समय मैं अक्सर बारिश का आनंद लेती हूं, अपनी खिड़की खुली रखती हूं और सुनिश्चित करती हूं कि मेरे चेहरे पर बारिश की बूंदें पड़ें और मैं मानसून के हर पल का आनंद ले सकूं। शो में राजवीर सिंह अभिमन्यु सिन्हा की भूमिका में हैं। इसमें आयुषी भावे और कृप सूरी भी हैं। यह शो स्टार भारत पर प्रसारित होता है।